राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 02 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-14 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

नेक्स्ट कॉन्क्लेव 2025 में पीएम मोदी ने कहा, दुनिया का केंद्र बन चुका है 21 सदी का भारत

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नेक्स्ट कॉन्क्लेव (एनएक्सटी) 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि 21 सदी का भारत अब दुनिया का केंद्र बन चुका है। इसी के साथ उन्होंने भारत की वैश्विक पहचान, आर्थिक प्रगति और प्रशासनिक सुधारों पर जोर दिया और कहा, भारत अब हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता हुआ देश बन चुका है। उन्होंने महाकुंभ 2025 का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रयागराज में करोड़ों श्रद्धालुओं ने स्नान किया और पूरी दुनिया इस अद्भुत आयोजन को देखकर हैरान रह गई। इसके अलावा, उन्होंने भारत के लोकतांत्रिक सफर का जिक्र करते हुए कहा कि 60 साल बाद पहली बार कोई सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटी है।

फैक्ट्री ऑफ द वर्ल्ड बन रहा भारत

इसी बीच पीएम मोदी ने भारत की स्थानीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि योग और आयुर्वेद दुनियाभर में लोकप्रिय हो चुके हैं। भारत के सुपरफूड्स, मखाने और श्रीअन्न (मिलेट्स) अब वैश्विक बाजारों में अपनी जगह बना रहे हैं। भारत दुनिया का सातवां सबसे बड़ा कॉफी निर्यातक बन चुका है। दशकों तक भारत को बैक ऑफिस कहा जाता था, लेकिन अब भारत फैक्ट्री ऑफ द वर्ल्ड बन रहा है।

पुराने कानूनों को खत्म करने पर जोर

पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में 1,500 से अधिक अप्रासंगिक और पुराने कानून खत्म किए हैं। इनमें से कई कानून अंग्रेजों के जमाने के थे, जो आज के दौर में पूरी तरह बेकार हो चुके थे। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि पहले बांस को पेड़ माना जाता था, जिससे उसे काटने पर कानूनी प्रतिबंध था। लेकिन उनकी सरकार ने यह नियम बदल दिया जिससे अब पूर्वोत्तर भारत के आदिवासी समुदायों को बड़ा फायदा मिल रहा है।

विश्लेषकों और बुद्धिजीवियों पर निशाना

पीएम मोदी ने अपने भाषण में राजनीतिक-विश्लेषकों और कथित बुद्धिजीवियों पर निशाना साधा और कहा, कि मुझे उस समय की सरकार और नेताओं से कुछ कहना नहीं है, लेकिन मुझे ज्यादा आश्चर्य लुटियंस जमात और खान मार्केट गैंग पर हो रहा है। ये लोग 75 साल तक इन पुराने कानूनों पर चुप क्यों थे? हमारी सरकार ने गुलामी के कालखंड के कानूनों को खत्म किया है।

सिक्किम बीजेपी ने की नया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाने की मांग

गंगटोक। सिक्किम बीजेपी ने कहा कि केंद्र सरकार से सिक्किम में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाने का अनुरोध किया है। पार्टी ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन एवं सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल से मुलाकात की और उनसे पाकयोंग हवाई अड्डे पर सेवाओं को फिर से चालू करने का आग्रह किया, जो राज्य का एकमात्र हवाई अड्डा है और अक्सर खराब मौसम जैसी समस्याओं का सामना करता है। बीजेपी की गंगटोक जिला इकाई के अध्यक्ष के नेतृत्व में बीजेपी का एक प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि निर्बाध हवाई संपर्क सुनिश्चित करने और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक नए और सभी मौसमों में संचालित होने वाले अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की जरुरत है। इसके साथ ही पाकयोंग सुविधा के लिए बुनियादी ढांचे के उन्नयन की भी जरूरत है। पार्टी ने यह भी मांग की कि राज्य में सहकारिता आंदोलन को पुनर्जीवित किया जाए।

आगरा में ओवरटेक के चक्कर में ट्रक से टकराई बस, 4 की मौत, 19 घायल

आगरा। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बस और ट्रक में टक्कर होने से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब लखनऊ से आगरा जा रही बस ओवरटेक करते समय ट्रक से टकरा गई। हादसा शनिवार को हुआ था, जिसमें चार यात्रियों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बस लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर ओवरटेक करते समय अनियंत्रित हो गई और ट्रक से टकरा गई। पुलिस ने बताया बस का बायां हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मृतकों की पहचान राजस्थान के जोधपुर निवासी गोविंद लाल (68) के रूप में हुई है। रमेश (45) जोधपुर, दीपक वर्मा (40), आगरा और मिर्जापुर के बबलू (40) की मौत हो गई। हादसे में 19 लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए फतेहाबाद अस्पताल ले जाया गया। घायलों में मुंबई की रहने वाली फल्गुनी और देऊ परमार के अलावा मुंबई की ही सोनिया शर्मा और नीलू शर्मा शामिल हैं। दुर्घटना के बाद सड़क पर जाम लग गया पुलिस ने यातायात को शुरु करवाया और आगे की जांच शुरु कर दी है।

अब पासपोर्ट के लिए बर्थ सर्टिफिकेट को ही जन्मतिथि का प्रमाण माना जाएगा

-केंद्र सरकार ने पासपोर्ट के लिए आवेदन करने के नियमों में किया संशोधन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पासपोर्ट बनवाने वालों के लिए नियमों में संशोधन किया है। नए संशोधनों के मुताबिक अब 1 अक्टूबर 2023 को या उसके बाद पैदा हुए आवेदकों के लिए सरकारी और उपयुक्त अधिकारियों द्वारा जारी किया गया बर्थ सर्टिफिकेट ही जन्मतिथि का एकमात्र प्रमाण होगा। इसके न होने की स्थिति में जन्म तिथि को सही नहीं माना जाएगा। केंद्र सरकार ने इस सप्ताह 1980 के पासपोर्ट नियमों में संशोधनों को प्रभावी करते हुए एक आधिकारिक नोट जारी किया था। इस नोट में बताया गया था कि संशोधनों के आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित होने के बाद नए नियम लागू हो जाएंगे। इन नए नियमों के मुताबिक 1 अक्टूबर 2023 को या उसके बाद पैदा हुए लोगों की जन्म तिथि के लिए केवल जन्म प्रमाण पत्र ही मान्य होंगे। यह जन्म प्रमाण पत्र किसी जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रार, नगर निगम या जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के तहत शक्ति प्राप्त किसी उपयुक्त अधिकारी द्वारा जारी होने चाहिए। इसके अलावा इस तय तारीख के पहले के आवेदक पुरानी प्रणाली के हिसाब से जन्म तिथि प्रमाण पत्र के रूप में वैकल्पिक दस्तावेज जैसे ड्राइविंग लाइसेंस या स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र भी जमा करा सकते हैं।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर तनाव के बीच हुई झड़प में बीएसएफ जवान घायल

सिपाहीजाला। भारत-बांग्लादेश सीमा पर हालात बिगड़ते जा रहे हैं। त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले में 28 फरवरी को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और घुसपैठियों के बीच झड़प हुई, जिसमें एक बीएसएफ जवान और एक बांग्लादेशी नागरिक घायल हो गया। जानकारी अनुसार घटना शाम 7:30 बजे की है, जब करीब 20 से 25 बांग्लादेशी घुसपैठियों ने बीओपी पुटिया क्षेत्र के पास सीमा स्तंभ (बीपी) 2050/7-एस से भारतीय सीमा में प्रवेश किया। ये घुसपैठिए तस्करी गतिविधियों में शामिल थे। बीएसएफ गश्ती दल ने घुसपैठ रोकने की कोशिश की, लेकिन बदमाशों ने हथियार छीनने की कोशिश की और हमला कर दिया। हालात बेकाबू होते देख, एक बीएसएफ जवान ने आत्मरक्षा में गैर-घातक पंप एक्शन गन (पीएजी) से गोली चलाई। गोली लगने से एक बांग्लादेशी नागरिक घायल हो गया। इस बीच हुई झड़प में बीएसएफ का एक जवान भी घायल हो गया। दोनों ही घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, और अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी।

मुंबई में भी बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई

इसी बीच, मुंबई पुलिस ने अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों पर शिकंजा कसा। डीसीपी डॉ. प्रवीण मुंधे के नेतृत्व में मानखुर्द, वाशी नाका, कलंबोली, पनवेल, ठाणे, कल्याण और मुंब्रा में विशेष तलाशी अभियान चलाया गया।

प्रयागराज महाकुंभ से मिली अर्थव्यवस्था को रफ्तार

अनुमानतः 3 लाख करोड़ का हुआ कारोबार

नई दिल्ली।

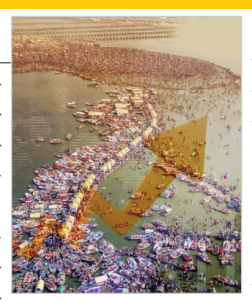

प्रयागराज महाकुंभ 2025 न केवल धार्मिक आस्था का संगम बना, बल्कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी एक बड़ा बूस्टर साबित हुआ है। करोड़ों श्रद्धालुओं की मौजूदगी और उनके द्वारा किए गए खर्चों ने व्यापार और उपभोग में जबरदस्त उछाल दिया। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन के अनुसार, महाकुंभ से भारत को वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5प्रतिशत जीडीपी वृद्धि का लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी। महाकुंभ के दौरान खान-पान, ठहरने, परिवहन, खरीदारी और अन्य सेवाओं पर श्रद्धालुओं द्वारा बड़े पैमाने पर खर्च किया गया, जिससे उपभोग व्यय में भारी वृद्धि हुई।

भारत की जीडीपी को मिलेगी मजबूती

सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर बढ़कर 6.2प्रतिशत हो गई, जो पिछली तिमाही में 5.6प्रतिशत थी। यह वृद्धि अच्छे मानसून, सरकारी खर्च में बढ़ोतरी और ग्रामीण उपभोग सुधार के कारण आई है।

महाकुंभ का आर्थिक प्रभाव

महाकुंभ का बजट- करीब 12,670 करोड़ रुपये (राज्य और केंद्र सरकार द्वारा)।

श्रद्धालुओं की संख्याः अनुमानित 40 करोड़ से बढ़कर 63 करोड़ पहुंच गई।

व्यापार और आर्थिक गतिविधि- कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल के अनुसार, 3 लाख करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान है।

महाकुंभः भारत के सबसे बड़े आर्थिक आयोजनों में शामिल

महाकुंभ 2025 ने भारत के पर्यटन, व्यापार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। यह आयोजन देश के सबसे बड़े आर्थिक आयोजनों में से एक बन गया है, जिसने रोजगार, कारोबार और जीडीपी ग्रोथ को जबरदस्त रफ्तार दी है।

दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में आंधी के साथ बारिश होने की चेतावनी

नई दिल्ली।

दिल्ली में शुक्रवार से ही आसमान में बादल छाए हुए हैं और हल्की बारिश हुई है। वहीं शनिवार सुबह की शुरुआत भी रिमझिम बारिश से हुई। दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में बारिश होने की चेतावनी मौसम विभाग ने दी है। मौसम में उतार-चढ़ाव जारी है। आईएमडी के मुताबिक दिल्ली का न्यूनतम तापमान गिरकर 17 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है, जबकि अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। कई राज्यों में आंधी तूफान के साथ बारिश भी संभावना जताई है। आईएमडी ने पूर्वोत्तर भारत, असम और पड़ोसी राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। ऐसा बंगाल की खाड़ी के ऊपर विकसित हो रहे चक्रवाती परिसंचरण के कारण हो रहा है। अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा जैसे राज्यों में हल्की बारिश होने की संभावना है, साथ ही कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना है। दो मार्च से एक नए पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर पश्चिम भारत को और ज्यादा प्रभावित करने की उम्मीद है। वहीं मौसम विभाग के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों को भी प्रभावित कर रहा है। इसकी वजह से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में बारिश और बर्फबारी होने की उम्मीद है। वहीं, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और यूपी के कुछ इलाकों में हल्की बारिश की उम्मीद है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है। इसके अलावा पंजाब और हरियाणा में अलग-अलग जगहों पर ओलावृष्टि की भी आशंका है। वहीं दक्षिणी और मध्य भारत के राज्यों की बात करें तो तमिलनाडु, केरल, महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में बारिश हो सकती है।

15 साल पुरानी गाड़ी चलाने की इजाजत नहीं तो 20 साल पुरानी सरकार क्यों चलेगी

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी ने एनडीए सरकार पर कसा तंज

पटना।

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को नीतीश सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब 15 साल पुरानी गाड़ी के चलाने की इजाजत नहीं है तो 20 साल पुरानी सरकार क्यों चलेगी। दरअसल, इस साल बिहार में विधानसभा चुनाव होना हैं, जिसे लेकर बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है। तेजस्वी ने एनडीए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर लिखा कि बिहार में 15 साल पुरानी गाड़ी चलाने की इजाजत नहीं है क्योंकि वह ज़्यादा धुंआ फेंकती है, प्रदूषण बढ़ाती है, जनता के लिए हानिकारक है तो फिर एनडीए की 20 साल पुरानी जोड़-तोड़, पलटा-पलटी वाली खटारा सरकार क्यों चलेगी? 20 सालों की नीतीश सरकार ने बिहार के हर गली-हर टोला-हर गांव में गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अपराध और पलायन रूपी भयंकर प्रदूषण फैला दिया है। उन्होंने लिखा कि नीतीश-बीजेपी सरकार ने 20 सालों में दो पीढ़ियों का जीवन बर्बाद कर दिया है। अब यह सरकार बिहार के लोगों पर बोझ बन चुकी है। अब इसे बदलना बहुत जरुरी है।

राजद नेता तेजस्वी ने आगे लिखा-बिहार के युवाओं ने ठान लिया है कि अब 20 साल पुरानी खटारा, जर्जर, बीमार और थकी हुई अविश्वसनीय नीतीश-एनडीए की सरकार को हटाकर नई सोच, नए विजन, नए जोश और नई दिशा वाली युवा और नौकरी-रोजगार व विकास कार्यों को समर्पित विश्वसनीय जुनूनी सरकार को लाना है और नया बिहार बनाना है। तेजस्वी यादव सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरते रहे हैं। कानून व्यवस्था को लेकर वे आपराधिक घटनाओं का आंकड़ा भी जारी करते रहे हैं।

मणिपुर में शांति बहाली के संकेत, शाह बोले, 8 मार्च से बहाल होगी सामान्य स्थिति

इंफाल।

मणिपुर में 21 महीनों बाद हालात सामान्य होने के आसार नजर आ रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को राज्य के हालात की समीक्षा की और 8 मार्च से सभी सड़कों पर बेरोक-टोक आवाजाही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। गृह मंत्रालय के अनुसार, 20 फरवरी से अब तक विभिन्न समुदायों ने 300 से अधिक हथियार सरेंडर किए हैं। राज्यपाल ने हिंसा के दौरान लूटे गए हथियारों को लौटाने की अपील की थी, जिसके बाद यह सरेंडर हुआ है। इसे देखते हुए अब राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने हथियार सरेंडर करने की समय सीमा 6 मार्च शाम 4 बजे तक बढ़ा दी है। अब तक 87 तरह के हथियार, गोला-बारूद और अन्य सामान सरेंडर किए जा चुके हैं।

प्रमुख जिलों में सरेंडर किए गए हथियार

इंफाल ईस्ट, बिश्नुपुर, थौबल, कांगपोकपी, जिरीबाम, चुराचांदपुर और इंफाल वेस्ट जिलों में हथियार सरेंडर किए गए हैं। मैतेई ग्रुप अरम्बाई टेंगोल ने सबसे अधिक 246 हथियार सरेंडर किए।

राष्ट्रपति शासन और आगे की राह

मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने 9 फरवरी को इस्तीफा दिया था, जिसके बाद 13 फरवरी को राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया। अब, हथियारों के सरेंडर और सरकार की सख्ती से स्थिति सामान्य होने की उम्मीद बढ़ गई है।

गृह मंत्रालय के निर्देश

सड़कों की नाकेबंदी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। 8 मार्च से सभी मार्गों पर आम जनता की आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी। उग्रवादियों को हथियार सरेंडर करने के लिए 6 मार्च तक का समय दिया गया है। सरकार और सुरक्षा एजेंसियां मणिपुर में स्थायी शांति बहाल करने के लिए सक्रिय हैं।

राजस्थान विधानसभाः सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अनुदान मांगें पारित

मंत्री ने कहा- राज्य सरकार महिलाओं, गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही

जयपुर।

राजस्थान के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा है कि राज्य सरकार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिलाओं, दिव्यांगों और घुमंतू जनजातियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है। विधानसभा में अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए मंत्री गहलोत ने कहा कि सरकार ने अंत्योदय के सिद्धांतों का पालन करते हुए आम जनता के कल्याण के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ काम किया है।

उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति उप-योजनाओं के बजट को बढ़ाकर 1750 करोड़ रुपए कर दिया गया है। गहलोत ने कहा कि अनाथ बच्चों को पालनहार योजना के तहत हर माह आर्थिक सहायता देने के लिए 1 हजार 110 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। साथ ही वंचित तबकों के छात्रों के लिए उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत 774.54 करोड़ का प्रावधान किया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के तहत 30,000 विद्यार्थियों को मुफ्त कोचिंग दी जाएगी, जिसके लिए 108 करोड़ रुपए का वित्तीय प्रावधान है। चर्चा के बाद सदन ने अनुदान मांग को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

प्रश्नकाल के दौरान लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के मंत्री कन्हैयालाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने जनता के लाभ के लिए जल जीवन मिशन की समय सीमा 2028 तक बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि रतनगढ़-सुजानगढ़ की वृहद पेयजल परियोजना निर्धारित समय सीमा में पूरी नहीं हो पाई है और धीमी गति से चल रही है। मंत्री ने सदन को आश्वस्त किया कि जल जीवन मिशन में लापरवाही बरतने वाले किसी भी ठेकेदार या अधिकारी की जांच कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाकुंभ की सफलता ने दुनिया को चौंकाया

जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की।

(लेखक - ललित गर्ग)

समुद्र मंथन के दौरान निकले कलश से छलकीं अमृत की चंद बूंदों से युगों पहले शुरू शुरू हुई कुंभ स्नान की परंपरा का तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर बीते 13 जनवरी से आयोजित हुए दिव्य-भव्य और सांस्कृतिक-धार्मिक समागम महाकुम्भ ने बुधवार को महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व पर 66 करोड़ का आंकड़ा पारकर अनूठा एवं विलक्षण इतिहास रच दिया। दुनिया के सबसे बड़े सनातन समागम पर बने नये कीर्तिमानों ने न केवल दुनिया को चौंकाया बल्कि विस्मित भी किया, इस महारिकॉर्ड को स्थापित कर इस महाकुम्भ को संख्या के लिहाज से इतिहास के पन्नों में दर्ज करा दिया, जो न केवल दुनिया को चौंकाने वाला बल्कि सनातन परम्परा का परचम फहराने वाला दुनिया का अकेला आयोजन बन गया है। इस सफल आयोजन से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कद बढ़ गया है। इस महा अनुष्ठान ने पूरे विश्व को सनातनी एकता का संदेश तो दिया है, यह भी प्रमाणित किया है कि उत्तर प्रदेश अब हर स्तर पर सक्षम प्रदेश बन चुका है। प्रदेश की कानून व्यवस्था को एक नये अध्याय के रूप में देखा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आयोजित यह मानवता का महायज्ञ, आस्था, एकता और समता का महापर्व बना, जो न केवल अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण बना बल्कि दुनिया में भारत की एक नई छवि, भीड़ प्रबंधन, सनातन एकता के लिये अमिट आलेख बन गया है। सनातन गहराई को मापने वालों को बधाई, इससे नई पात्रता का निर्माण होगा, जहां हमारी हिन्दू संस्कृति पुनः अपने मूल्यों एवं संगठन के साथ नई शक्ल एवं ताकत के रूप में प्रतिष्ठापित होगी।

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में दर्ज महाकुंभ को केंद्र और प्रदेश की सरकारें विश्व समुदाय के समक्ष अद्भुत एवं विलक्षण रूप में प्रस्तुत करने में ऐतिहासिक रूप से सफल रही है। पूज्य अखाड़ों, साधु-संतों, महामंडलेश्वरों एवं धर्माचार्यों के पुण्य आशीर्वाद का ही प्रतिफल है कि समरसता का जितने श्रद्धालु एवं हिन्दू 45 दिनों के अंदर प्रयागराज में बनाए गए एक अस्थायी शहर में जुटे, यह संख्या कई देशों की आबादी से भी कई गुना अधिक है। 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम कर दी है। अमेरिका आबादी से दोगुनी से ज्यादा, पाकिस्तान की ढाई गुना से अधिक और रूस की चार गुणा से ज्यादा आबादी के बराबर श्रद्धालु यहां आये हैं। यही नहीं, जापान की 5 गुनी आबादी, यूके की 10 गुनी से ज्यादा आबादी और फ्रांस की 15 गुनी से ज्यादा आबादी ने यहां आकर त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगा ली है। चौंकाने वाली बात यह है कि दुनिया में किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या अन्य आयोजनों में इतनी भीड़ नहीं जुटी है। उदाहरण के लिए सऊदी अरब में हर साल होने वाले हज में करीब 25 लाख मुस्लिम मक्का में एकत्रित होते हैं। दूसरी तरफ इराक में हर साल होने वाले अरबईन में दो दिन में 2 करोड़ से अधिक तीर्थयात्री जुटते हैं। प्रयागराज में 45 दिन में जुटे श्रद्धालुओं की संख्या दुनिया के 231 देशों की आबादी से ज्यादा है। सिर्फ भारत और चीन की आबादी ही प्रयागराज पहुंचे लोगों की संख्या से ज्यादा है।

जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की। आखिर हिन्दू समाज अपने अस्तित्व एवं अस्मिता पर हो रहे इन हमलों एवं आघातों के लिये अब जागरूक एवं संगठित नहीं होगा तो कब होगा?

प्रयागराज महाकुंभ लोगों के स्नान, रहने, चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा की शानदार एवं ऐतिहासिक व्यवस्थाएं देखकर दुनिया भौचक रह गयी। भीड़ प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटिलेंजेंस का उपयोग और ड्रोन व एंटी ड्रोन सिस्टम से संदिग्धों पर निगाह रखना भविष्य की पुलिसिंग की तस्वीर प्रस्तुत करता है। यही कारण है कि विश्व के कई देशों के विशेषज्ञ यहां भीड़ प्रबंधन पर शोध करने पहुंचे हैं। इतने बड़े आयोजन में एक दो घटनाएं इतनी महत्वपूर्ण नहीं, जितना यह कि यहां आने वाला हर श्रद्धालु उल्लास और यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो लौटा। महाकुंभ ने उन सभी स्थानों के लिए एक मानदंड प्रस्तुत किया है, जहां कुंभ अर्धकुंभ के आयोजन होने हैं। यह ठीक है कि जिस आयोजन में प्रतिदिन एक-दो करोड़ लोगों की भागीदारी होती हो, वहां कुछ समस्याएं हो सकती हैं और वे दिखीं भी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इस आयोजन को विफल बताने की कोशिश की जाए अथवा यह कहा जाए कि श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है।

महाकुंभ भारत की हिन्दू संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। भारत एक हिंदू राष्ट्र है यह न केवल हमारा विश्वास है बल्कि ऐतिहासिक, औपचारिक और सामाजिक सत्य भी है। भले ही भारतीय संविधान ने इसे औपचारिक रूप से हिंदू राष्ट्र न घोषित किया हो, लेकिन भारत का अस्तित्व और उसकी आत्मा सनातन धर्म में रची बसी है। इस तथ्य को न केवल भारत के नागरिक बल्कि समूची दुनिया भी स्वीकार करती है। भारत की पहचान केवल एक भौगोलिक इकाई तक ही सीमित नहीं है, यह एक महान सनातनी सभ्यता है, जिसकी जड़े हजारों वर्षों पुरानी है। ऋग्वेद, उपनिषद, महाभारत, रामायण, पुराण और स्मृतियां हमारे सांस्कृतिक आधारस्तंभ है। यहीं से वसुधैव कुटुंबकम और सर्वे भवंतु सुखिनः जैसे महान विचार जन्म लेते हैं। यदि हम इतिहास को देखें, तो भारत में वैदिक काल से ही हिंदू संस्कृति का वर्चस्व रहा है। मौर्य, गुप्त, चोल, मराठा और अन्य हिंदू राजवंशों ने भारत की सांस्कृतिक और राजनीतिक एकता को बनाए रखा। विदेशी आक्रमणों और औपनिवेशिक शासनों के बावजूद, हिंदू समाज अपनी जड़ों से कभी नहीं हटा। भारत को हिंदू राष्ट्र कहने का अर्थ यह नहीं है कि यहां अन्य धर्मों के लिए स्थान नहीं है। हिंदू संस्कृति सदैव सर्वसमावेशी रही है।

हिन्दू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी शक्ल में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे ये लोग हिन्दू मठों, मंदिरों, संतों, संस्कृति व सिद्धांतों पर हमला करते हुए राजनीति करते रहे हैं। हिन्दू समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही इनका एजेंडा हैं। आज विश्व भारत को केवल एक राष्ट्र राज्य के रूप में नहीं देखता बल्कि उसे सनातन संस्कृति की जन्मभूमि और हिंदू राष्ट्र के रूप में पहचानता है। नेपाल, इंडोनेशिया, थाईलैंड, कंबोडिया जैसे देशों की संस्कृति पर भारत का गहरा प्रभाव रहा है। हाल ही में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में भगवद्गीता का पाठ किया गया, जो इस बात का प्रमाण है कि विश्व भारत को हिंदू राष्ट्र के रूप में स्वीकार कर रहा है। अमेरिका और यूरोप में भी योग, वेदांत और भगवद्गीता के प्रति बढ़ती रूचि यह दर्शाती है कि हिंदू जीवन दर्शन वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया जा रहा है। महाकुंभ के खिलाफ़ दुष्प्रचार की आंधी से हिन्दू धर्म एवं संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्टा एवं षडयंत्र है। यह सनातन धर्म पर प्रहार न केवल निंदनीय है बल्कि शर्मनाक भी है। कुंभनगरी में सबसे ज्यादा फोकस सेक्टर-18 पर रखा गया, यहां वीआईपी गेट भी बनाया गया, इस पॉइंट पर 72 देशों के ध्वज लगे, जिनके नुमाइंदे ही नहीं, बल्कि लगभग 180 देशों के लोगों ने महाकुंभ में सम्मिलित होकर महाकुंभ के भव्य, व्यवस्थित एवं सफल आयोजन की भरपूर सराहना की है। अनेक विदेशी ने सनातन धर्म में दीक्षित हुए है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

खाद का संकट

देश के कई राज्यों में रासायनिक खादों की मांग में अप्रत्याशित वृद्धि ने नीति-नियंताओं को चौंकाया है। विशेषकर हरियाणा में यूरिया और डाई-अमोनियम फॉस्फेट यानी डीएपी की खपत में तीव्र वृद्धि ने उर्वरक मंत्रालय की चिंताएं बढ़ा दी हैं। यह तथ्य चौंकाने वाला है कि इस रबी के सीजन में हरियाणा में यूरिया खाद का उपयोग अट्ठारह फीसदी तक बढ़ गया है। जबकि कुछ जिलों में डीएपी की खपत में 184 फीसदी का उछाल देखा गया है। दरअसल, रासायनिक खादों के अत्यधिक उपयोग और सब्सिडी वाले उर्वरकों की जरूरत से ज्यादा खपत, असामान्य स्थिति का संकेत दे रही है। जिसके चलते अधिकारियों को शंका है कि सब्सिडी वाले नीम कोटेड यूरिया को बड़ी मात्रा में खरीदकर प्लाइवुड, राल व खनन विस्फोटक जैसे उद्योगों के लिये ले जाया जा रहा है। जिनके लिये तकनीकी-ग्रेड वाला यूरिया खासा महंगा पड़ता है। आशंका जतायी जा रही है कि इन व्यवसाय में लगे कुछ लोग इस मूल्य अंतर का लाभ उठाकर बड़े पैमाने पर सब्सिडी वाली खाद की हेराफेरी कर रहे हैं। एक अनुमान के अनुसार ये असामाजिक तत्व करीब दस लाख टन यूरिया का दुरुपयोग कर रहे हैं, जिसकी कीमत छह हजार करोड़ रुपये बतायी जा रही है। इसकी पड़ताल के लिये केंद्र सरकार ने राज्य के अधिकारियों के साथ संयुक्त अभियान आरंभ किया है। साथ ही दोषी लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इतना ही नहीं, केंद्रीय उर्वरक विभाग आपूर्ति श्रृंखलाओं की निगरानी और रासायनिक खादों के रिसाव पर अंकुश लगाने के लिये विभिन्न मंत्रालयों के साथ समन्वय कर रहा है। कोशिश है कि किसानों को सब्सिडी पर मिलने वाली खाद के दुरुपयोग पर अंकुश लगाया जा सके। आशंका जतायी जा रही है ऐसी कोशिश पर यदि समय पर अंकुश नहीं लगाया गया तो कालांतर किसानों के लिये खाद की आपूर्ति बाधित हो सकती है। जिसके सामाजिक व राजनीतिक निहितार्थों को समझते हुए केंद्र सरकार के संबंधित विभाग सतर्क प्रतिक्रिया दे रहे हैं। यह तथ्य निर्विवाद है कि खेती में अत्यधिक उर्वरकों का उपयोग एक जटिल समस्या बनता जा रहा है। दरअसल, आम किसानों को ठोस जानकारी नहीं मिल पाती कि इसका कितना उपयोग अधिक फसल लेने व भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिये काफी है। आम किसान पैदावार बढ़ाने के लिये बड़ी मात्रा में यूरिया का उपयोग करते हैं। खासकर नई उच्च नाइट्रोजन वाली गेहूं की किस्मों के लिये। वहीं एनपीके यानी सोडियम, फॉस्फोरस व पोटेशियम उर्वरक की खपत में वृद्धि ने यूरिया पर निर्भरता को और अधिक बढ़ा दिया है। जिससे मिट्टी का क्षरण, कीट जोखिम बढ़ने के साथ ही भूजल प्रदूषण में तेजी से वृद्धि हो रही है। निर्विवाद रूप से रासायनिक उर्वरकों का अंधाधुंध उपयोग न केवल मिट्टी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल रहा है बल्कि कृषि भूमि की दीर्घकालीन उपादेयता को भी कम कर रहा है। उर्वरकों की खपत में तेजी से वृद्धि देश की आर्थिकी पर प्रतिकूल असर डाल रही है। उर्वरकों के आयात पर देश की बढ़ती निर्भरता वित्तीय संकट को भी बढ़ावा दे रही है। देश वार्षिक रूप से करीब 75 लाख टन यूरिया का आयात करता है। यूरिया की बढ़ती वैश्विक कीमतों ने उर्वरक सब्सिडी को 1.75 ट्रिलियन रुपये से अधिक कर दिया है। यदि इस स्थिति पर समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो बढ़ती उर्वरक मांग अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव डालेगी।

जेलेंस्की की बेबाकी और अमेरिका की गिरती साख

(लेखक- सौरभ जैन अंकित)

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच व्हाइट हाउस में हुई में तीखी नोंक-झोंक ने वैश्विक राजनीति में हलचल मचा दी। यह बैठक मुख्य रूप से अमेरिका-यूक्रेन संबंधों को मजबूत करने और सैन्य सहायता पर चर्चा करने के लिए आयोजित की गई थी, लेकिन वार्ता के दौरान दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस हो गई। इस टकराव ने अमेरिका की साख और वैश्विक विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की अमेरिका से मिनरल डील और सैन्य सहायता की उम्मीद लेकर वहाँ पहुंचे थे, लेकिन ट्रंप ने आर्थिक मदद के बदले अमेरिका को वित्तीय रिटर्न देने की शर्त रखी। उन्होंने यूक्रेन से 500 अरब डॉलर की मांग की, हालांकि वह 350 अरब डॉलर तक की डील फाइनल करना चाहते थे। जब ट्रंप ने सुरक्षा सहायता पर चर्चा करने से इनकार कर दिया, तो जेलेंस्की ने खुलकर अपना विरोध दर्ज कराया।

जब एक पत्रकार ने अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दी जाने वाली सुरक्षा सहायता पर सवाल किया, तो ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा, अभी सुरक्षा के बारे में बात नहीं करना चाहता, मैं चाहता हूं कि बस डील हो जाए। इस पर जेलेंस्की ने जोर देकर कहा, यह युद्ध रूस और यूक्रेन के बीच है, अमेरिका और रूस के बीच नहीं। अगर पुतिन को नहीं रोका गया, तो वह पोलैंड पर भी हमला कर सकते हैं।

इस बयान पर ट्रंप भड़क गए और जेलेंस्की पर सीजफायर न चाहने और लाखों लोगों की जिंदगी के साथ खेलने का आरोप लगा दिया। दोनों के बीच बढ़ती तल्खी के कारण व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने जेलेंस्की को तुरंत बैठक समाप्त कर व्हाइट हाउस छोड़ने के लिए कह दिया। इसके बाद जेलेंस्की लंदन के लिए रवाना हो गए, जहां वह ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर द्वारा आयोजित यूक्रेन समिट में शामिल हुए। इस विवाद के बाद वैश्विक राजनीति में अमेरिका की साख गिरने लगी है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टेरसन और एस्टोनिया के विदेश मंत्री मार्गस त्साहक्ना ने रूस के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए जेलेंस्की का समर्थन किया। पोलैंड, स्पेन, आयरलैंड और लात्विया ने भी यूक्रेन को समर्थन देने की घोषणा की। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने भी जेलेंस्की के पक्ष में बयान दिया।

इस घटनाक्रम के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि भविष्य में अन्य देश भी अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने बेबाकी से अपनी बात रखेंगे। अमेरिका, जो अब तक वैश्विक राजनीति में एक निर्णायक शक्ति के रूप में देखा जाता था, उसकी साख लगातार गिर रही है। जेलेंस्की की

मुखरता ने यह संदेश दे दिया है कि छोटे और मध्यम आकार के देश भी अब अपनी संप्रभुता और हितों की रक्षा के लिए अमेरिका के सामने झुकने को तैयार नहीं होंगे।

अमेरिका के इस विवादास्पद रुख के कारण उसकी वैश्विक विश्वसनीयता पर भी असर पड़ रहा है। ट्रंप प्रशासन की अमेरिका फर्स्ट नीति अब सहयोगी देशों को असमंजस में डाल रही है। इससे पहले, अमेरिका कई अंतरराष्ट्रीय संधियों और समझौतों से पीछे हट चुका है, जिससे उसकी छवि एक अविश्वसनीय सहयोगी के रूप में बन रही है। अब इस घटना के बाद, कई यूरोपीय और एशियाई देश अपने स्वतंत्र कूटनीतिक और आर्थिक रास्ते तलाशने शुरू कर देंगे।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की बेबाकी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ हुई उनकी तीखी बहस ने वैश्विक राजनीति को एक नया मोड़ दे दिया है। यह स्पष्ट हो चुका है कि अमेरिका अब वह महाशक्ति नहीं रहा जिस पर पूरी दुनिया आंख मूंदकर विश्वास कर सके। भविष्य में अन्य देश भी अमेरिका के सामने मजबूती से खड़े होंगे और अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर अधिक ध्यान देंगे। अमेरिका अब अपने हितों को प्राथमिकता देने के लिए अपने सहयोगियों को दबाव में लेने की रणनीति अपनाने की कोशिश कर रहा है, यूरोपीय देशों और अन्य वैश्विक शक्तियों की प्रतिक्रिया से स्पष्ट है अब विश्व राजनीति बहुपक्षीय दिशा में आगे बढ़ रही है, जहां अमेरिका को अपना वर्चस्व बनाये रखना संभव नहीं होगा।

(लेखक- सौरभ जैन अंकित/ ईएमएस)

(चिंतन-मनन)

व्यवहार से ही मिल गया सवाल का जवाब

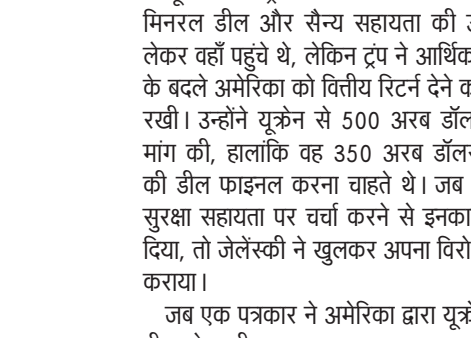

एक दार्शनिक समस्याओं के अत्यंत सटीक समाधान बताते थे। एक बार उनके पास एक सेनापति पहुंचा और स्वर्ग-नर्क के विषय में जानकारी चाही। दार्शनिक ने उसका पूर्ण परिचय पूछा तो उसने अपने वीरतापूर्ण कार्यो के बारे में सविस्तार बताया। उसकी बातें सुनकर दार्शनिक ने कहा - शक्ल-सूरत से तो आप सेनापति नहीं, भिखारी लगते हैं। मुझे विश्वास नहीं होता कि आपमें हथियार उठाने की क्षमता भी होगी। दार्शनिक की अपमानजनक बातें सुनकर सेनापति को गुस्सा आ गया। उसने म्यान से तलवार निकाल ली। यह देख दार्शनिक ठहाका लगाते हुए बोले - अच्छा तो आप तलवार भी रखते हैं। यह शायद काठ की होगी। लोहे की होती तो अब तक आपके हाथ से छूटकर गिर गई होती। अब तो सेनापति आपे से बाहर हो गया। उसकी आंखें क्रोध से लाल हो गईं और वह दार्शनिक पर हमला करने को उद्यत हो गया। तभी दार्शनिक ने गंभीर होकर कहा - बस यही नर्क है। क्रोध में उन्मत्ता होकर आपने अपना विवेक खो दिया और मेरी हत्या करने को तत्पर हो गए। दार्शनिक की बात सुनकर सेनापति ने शांत होकर तलवार म्यान में वापस रख ली। तब दार्शनिक ने कहा - विवेक जाग्रत होने पर व्यक्ति को अपनी भूलों का अहसास होने लगता है। मन शांत होने से स्थिरता आती है और दिव्य आनंद की अनुभूति होती है। यही अनुभूति स्वर्ग है। सेनापति को अपने प्रश्न का उत्तार मिल गया। सार यह है कि आत्मनियंत्रण से विवेक उपजता है, जिसके कारण अनुचित कर्म या व्यवहार पर रोक लगती है और जीवन में शांति व संतोष की अनुभूति होती है।

विचार मंथन

बड़े- बोले ट्रंप, अमेरिका, यूरोप और दुनिया के देशों के लिए भारी खतरा बने

(लेखक- सनत जैन)

दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने, डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिका-यूरोप और सारी दुनिया के देशों के लिए खतरा बन गए हैं। ट्रंप अपने बड़बोल से एक गैंगस्टर की तरह अपने आप को दिखा रहे हैं। उसके कारण सारी दुनिया के देशों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया है। डोनाल्ड ट्रंप हथेली पर अपनी मर्जी के अनुसार तुरंत दही जमा लेने की कोशिश कर रहे हैं। सबसे पहले उन्होंने अमेरिका के विभिन्न राज्यों के साथ संघीय व्यवस्था को नकारते हुए, संविधान के विपरीत जाकर मनमाने गैर कानूनी आदेश देना शुरू कर दिए। जिसे अमेरिका के राज्यों और न्यायपालिका ने स्वीकार नहीं किया। उससे अमेरिका के लाखों सरकारी कर्मचारियों की नौकरी खतरे में पड़ गई है। राज्यों की शासन व्यवस्था में ट्रंप प्रत्यक्ष रूप से दखल देना शुरू कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में केंद्रीयकृत व्यवस्था लागू करने की दिशा में आगे बढ़ गए हैं। दुनिया के विभिन्न देशों को जिस तरह से ट्रंप ने आदेश के रूप में अपनी बात कर रहे है। उसे दुनिया के देशों द्वारा पसंद नहीं किया जा रहा है। कई देश डोनाल्ड ट्रंप के बयान को अपमान के रूप में देख रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर कारोबारी देशों को जिस तरह से धमकाया है। उसकी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। ट्रंप इजराइल और गाजा के मामले में भी जिस तरह का फरमान जारी किया, गाजा में कब्जा करने की बात कही। गाजा में ट्रंप कॉलोनी बनाने की बात कही। पनामा नहर पर कब्जा करने की बात कही। यूक्रेन और रूस के बीच शांति स्थापित करने के नाम पर जिस तरह से यूक्रेन के राष्ट्रपति को अमेरिका बुलाकर डोनाल्ड ट्रंप ने मीडिया के सामने उन्हें धमकाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, जो अमेरिकी सहायता यूक्रेन को दी गई है। उसके एवज में यूक्रेन के बहुमूल्य खनिज पर अमेरिका का दावा जता दिया। रूस के साथ संधि करने की बात कही। डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म करने के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलंसकी को आमंत्रित किया था। मीडिया के सामने जिस तरह से जेलेंसकी को धमकाया गया। उससे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी और अमेरिका की गरिमा गिराने का काम किया है। एक समकक्ष राष्ट्रध्यक्ष के साथ किस तरह की वार्ता करनी चाहिए, उसका ध्यान भी डोनाल्ड ट्रंप ने नहीं रखा। मीडिया के सामने आने के पहले दोनों को आपस में बात करके समन्वय बनाने की कोशिश करनी चाहिए थी। दोनों राष्ट्रों के मुखिया को मीडिया के सामने आकर अपनी बात कहनी चाहिए थी। जिस तरह से मीडिया के सामने डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलंसकी को धमकाया। जिस तरह की, तू-तू मैं-मैं, मीडिया के सामने हुई। उसके बाद सारी दुनिया में डोनाल्ड ट्रंप की थू-थू हो रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह से कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही। जिस तरह से उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमेन्युल मेक्रो के सामने गलत बयानी की। फ्रांस के राष्ट्रपति मेक्रो ने मीडिया के सामने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हाथ पकड़ कर उन्हें झूठ बोलने के लिए टोंक दिया। उससे अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप की साख सारी दुनिया के देशों में गिरी है। डोनाल्ड ट्रंप की छवि एक गैंगस्टर की तरह बनती चली जा रही है। जिस तरह से अपनी बात मनवाने के लिए गैंगस्टर, गुंडागर्दी करता है। डोनाल्ड ट्रंप की गुंडागर्दी अमेरिका के अपने ही राज्यों और अपने ही नागरिकों के साथ की जाने लगी है। लाखों लोगों की नौकरियां ट्रंप के मनमाने आदेश से खत्म हो गई हैं। रोजाना ऐसे आदेश ट्रंप प्रशासन द्वारा जारी किए जा रहे हैं। 2 माह के अंदर ही अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप को लेकर विरोध पनपने लगा है। यूरोपीय देशों के साथ अमेरिका की जो नजदीकियां थीं। अब वह दूरियों में बदलने लगी हैं। डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलंसकी के बीच कल की घटना के बाद यूरोपीय देश, यूक्रेन के समर्थन में आकर खड़े हो गए हैं। अमेरिका के ऊपर इस समय भारी कर्ज है। अमेरिकी सरकार खर्च को कम करने के लिए लाखों लोगों को नौकरी से बेदखल कर रही है। दुनिया के सभी देशों के साथ जिस तरह से ट्रंप गुंडागर्दी काव्यवहार कर रहे है। उसके बाद अब यह कहा जाने लगा है। डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका के विघटन का समय आ गया है। जिस तरह से 25 दिसंबर 1991 को सोवियत रूस अर्थव्यवस्था की कमजोरी, राजनीतिक नेतृत्व की कमजोरी और लोकतंत्र की मांग के कारण सोवियत रूस का विघटन हुआ था। वही स्थिति अब ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका में देखने को मिल रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

माइक्रोसॉफ्ट ने स्काइप सेवा को बंद करने का किया ऐलान

न्यूयॉर्क । प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने स्काइप वीडियो कॉलिंग सेवा को बंद करने का फैसला लिया है। इस सेवा को उसने 2011 में 8.5 अरब डॉलर में खरीदा था। मई में स्काइप की सेवा बंद हो जाएगी और उसकी कुछ सेवाएं माइक्रोसॉफ्ट टीम्स पर स्थानांतरित की जाएंगी। माइक्रोसॉफ्ट ने बताया कि स्काइप उपयोगकर्ता टीम्स में अपने खाते से लॉग इन कर सकेंगे। वर्षों से स्काइप को टीम्स की तुलना में प्राथमिकता दी गई थी। स्काइप ने उपयोगकर्ताओं के लिए ऑडियो और वीडियो कॉलिंग के लिए एक सुविधाजनक प्लेटफार्म प्रदान किया था। यह आगंतुकों की जरूरतों को समझते हुए उन्हें ऑनलाइन संचार के लिए एक मजबूत और सुरक्षित विकल्प प्रदान करता था। स्काइप के बंद होने का निर्णय तकनीकी दिग्गज की अपने मुख्य संचार एप्लीकेशन को सुव्यवस्थित करने की इच्छा को दर्शाता है और उसकी साथी प्रोडक्ट्स, जैसे कि टीम्स, को उन्हें बेहतर सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगी। इप 003 में स्थापित हुई थी और वीओआईपी तकनीक पर निर्भर थी, जो ऑडियो को ऑनलाइन प्रसारित डिजिटल सिग्नल में परिवर्तित करता है। इससे पहले ईबे द्वारा 2005 में खरीदी गई थी।

भारतीय उद्योग जगत में स्टार्टअप कर रहे धमाल

मुंबई । हाल ही में लंबे समय तक रकम की कमी और यूनिकॉर्न की संख्या में कमी के बावजूद, भारतीय उद्योग जगत स्टार्टअप की वृद्धि के को लेकर दृढ़ भाव निहित है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मैजिकपिन के सीईओ ने कहा कि पूंजी अपना रास्ता मूल्य सृजन की दिशा में खोज लेती है। इसमें झटके और कुछ उतार-चढ़ाव हो सकते हैं, लेकिन भारत में स्टार्टअप के नजरिए से हम स्वर्णिम युग में हैं। प्रौद्योगिकी के लिए जिस तरह की स्वीकृति और चाह है, साथ ही ऑपरेटरों और टीमों के भीतर समाधान तैयार करने की जो क्षमताएं हैं, वे अभूतपूर्व है। पूंजी रिटर्न की तलाश में है। यही वजह है कि भारत में मल्टीपल इस तरह का है। एक मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म के अनुसार 2025 में फरवरी तक इक्विटी फंडिंग के 235 दौर में 1.33 अरब डॉलर जुटाए जा चुके हैं। पिछले साल इसी अवधि में देश में 497 दौर में 2.46 अरब डॉलर जुटाए गए थे। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म स्नैपडील के सीईओ ने कहा कि कंपनियों की वृद्धि का सही मापदंड यूनिकॉर्न नहीं हैं। उन्होंने कहा, यह सही संदर्भ नहीं है।

एसयूवी होंडा एलिवेट की 1 लाख यूनिट्स बिकी

नईदिल्ली । होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड ने अपनी स्टाइलिश और दमदार एसयूवी होंडा एलिवेट की 1 लाख यूनिट्स बेचने का कारनामा कर दिखाया है। यह उपलब्धि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एलिवेट की शानदार पॉपुलैरिटी दिखाती है। एलिवेट की मौजूदा एक्स शोरूम प्राइस 11.69 लाख रुपये से शुरू होकर 16.73 लाख रुपये तक जाती है। बता दें कि होंडा एलिवेट को भारतीय बाजार में सितंबर 2023 में लॉन्च किया गया था और तब से अब तक एलिवेट ने भारतीय एसयूवी बाजार में अपनी मजबूत जगह बना ली है। मेड इन इंडिया एसयूवी के रूप में होंडा एलिवेट का उत्पादन राजस्थान के तापुकारा प्लांट में किया जाता है। एलिवेट जापान में एक्सपोर्ट की जाने वाली पहली मेड इन इंडिया होंडा कार है। होंडा एलिवेट की इंडिया और ग्लोबल सेल्स के बारे में बताएं तो जनवरी 2025 तक कंपनी ने भारत में 53,326 यूनिट्स की बिक्री की, जबकि 47,653 यूनिट्स विदेशी बाजार में एक्सपोर्ट की गईं। विदेशी बाजारों में जापान, दक्षिण अफ्रीका, नेपाल और भूटान जैसे देश हैं, जहां होंडा की कारें ज्यादा पॉपुलर हैं।

इस सप्ताह 1,036 रुपए सस्ता हुआ सोना, चांदी भी 3,667 रुपए फिसली

नई दिल्ली ।

देश भर में इस हफ्ते सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 22 फरवरी को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 86,092 रुपए प्रे ति 10 ग्राम था, जो 1 मार्च को घटकर 85,056 रुपए हो गया। इस हफ्ते सोने के दाम में 1,036 रुपए की गिरावट दर्ज की गई है। चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट देखी गई है। पिछले शनिवार को चांदी 97,147 रुपए प्रति किलो थी, जो अब 3,667 रुपए घटकर 93,480 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को 99,151 रुपए प्रति किलो के सार्वजे निक स्तर को छुआ था। वहीं दिल्ली में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,770 रुपए, मुंबई में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,620 रुपए, कोलकाता में 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 79,400 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 86,620 रुपए और चेन्नई में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,620 रुपए है। वहीं इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24

कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 8,894 रुपए बढ़कर 85,056 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 7,463 रुपए बढ़कर 93,480 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

शेयर बाजार में एफआईआईएस ने जोरदार बिकवाली की

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआईएस) ने जोरदार बिकवाली की, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआईएस) ने मजबूत लिवाली जारी रखी। एफआईआईएस की बिकवाली का असर बाजार पर साफ दिखा, क्योंकि उन्होंने कुल 50,878.46 करोड़ रुपए के शेयर बेचे और सिर्फ 39,239.44 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे, जिससे उनकी शुद्ध बिकवाली 11,639.02 करोड़ रुपए रही। दूसरी ओर डीआईआईएस की लगातार खरीदारी ने बाजार को समर्थन देने का काम किया। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों ने बाजार में भरोसा दिखाते हुए कुल 28,065.55 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 15,756.92 करोड़ के शेयर बेचे। नतीजतन, उनकी शुद्ध खरीदारी 12,308.63 करोड़ रुपए रही। एफआईआईएस की भारी बिकवाली से बाजार में दबाव बना हुआ है, जबकि डीआईआईएस की मजबूत खरीदारी ने कुछ हद तक बाजार को संभालने में मदद की। निवेशक अब आगे की दिशा के लिए वैश्विक संकेतों और घरेलू आर्थिक कारकों पर नजर बनाए हुए हैं।

केंद्र सरकार का 2025-26 के लिए गेहूं खरीद का 3.1 करोड़ टन लक्ष्य

नई दिल्ली । भारत सरकार ने अप्रैल से शुरू होने वाले 2025-26 रबी विपणन सत्र के लिए गेहूं, धान और मोटे अनाज जैसी रबी फसलों के लिए खरीद लक्ष्य तय किया है। कृषि मंत्रालय के आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस वर्ष 11.5 करोड़ टन गेहूं की उत्पादन की तरक्की के बावजूद, खरीद लक्ष्य थोड़ा कम है। सरकार ने हाल ही में राज्य के खाद्य सचिवों के साथ एक बैठक आयोजित की, जिसमें गेहूं, चावल, और मोटे अनाज की खरीद को लेकर निर्णय लिया गया। इस बैठक के बाद, आने वाले विपणन सत्र के लिए गेहूं, चावल, और मोटे अनाज की खरीद का लक्ष्य तय किया गया है।गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य भी तय किया गया है, जिसका मान 2,425 रुपये प्रति क्विंटल है। सरकार इसके माध्यम से किसानों को सहायता पहुंचाने का निश्चित करना चाहती है। राज्यों से गेहूं और चावल की खरीद को बढ़ाने के लिए कदम उठाने की भी अपील की गई है। साथ ही, मोटे अनाज की खरीद पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भी सरकार का ध्यान है।सरकारी गेहूं की खरीद विपणन सत्र 2024-25 में 2.66 करोड़ टन तक पहुंची, जो कि लक्ष्य के 3 से 3.2 करोड़ टन का है। इसके बावजूद, इस संख्या उस सत्र के लक्ष्य से कम है। बैठक में सार्वजनिक वितरण प्रणाली और जन पोषण केंद्रों सहित कई अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसमें विभिन्न राज्यों और संबंधित संगठनों के अधिकारी शामिल थे।

सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग तीन फीसदी की गिरावट रही

- सेंसेक्स 1,414 अंक गिरकर 73,198.10 पर बंद
- निफ्टी भी 420 अंक गिरकर 22,124.70 पर बंद

मुंबई ।

उपभोक्ता मांग में नरमी और टैरिफ खतरों की चिंताओं के बीच अमेरिकी व वैश्विक बाजारों में कमजोरी और वैश्विक बाजारों में जारी बिकवाली की वजह से बीते सप्ताह साप्ता हिक आधार पर सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग तीन फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। महाशिवरात्रि के पर्व के अवसर पर बुधवार को शेयर बाजार बंद रहे, इस दिन बीएसई और एनएसई में कारोबार नहीं हुआ। जिसकी वजह से बीते सप्ताह शेयर बाजार में एक दिन कम कारोबार हुआ। सोमवार को भारतीय बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स लगातार पांचवें सत्र के लिए लाल निशान में खुले। सोमवार को बाजार खुलने के बाद सभी क्षेत्रों में बिकवाली देखी गई। इस दौरान सेंसेक्स 733.86 की गिरावट के साथ 74,577.20 पर खुला और 856.65 की गिरावट के साथ 74,454.41 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 222.61 अंक गिरकर 22,573.30 पर खुला और 242.56 अंक फिसलकर 22,553.35 के स्तर पर बंद हुआ। मंगलवार को भारतीय बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स हर निशान के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 117.57 अंक बढ़कर 74,571.98 पर खुला और 147.71 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74,602.12 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 31.3 अंक की उछाल के साथ 22,584.65 पर खुला और 5.80 अंक फिसलकर 22,547.55 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को महाशिवरात्रि की छुट्टी के बाद गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर खुले। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 231.97 अंक चढ़कर 74,834.09 पर खुला और 10.31 अंक की मामूली बढ़त के साथ 74,612.43 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 65.75 अंक मजबूत होकर 22,613.30 पर खुला और 10.31 अंक की मामूली बढ़त के साथ 74,612.43 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 65.75 अंक मजबूत होकर 22,613.30 पर खुला और 2.50 अंक फिसलकर 22,545.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स 1300 अंकों से अधिक क्रैश होकर 73,276.50 अंक पर खुला और 1,414.33 अंक गिरकर 73,198.10 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी-50 भी 400 अंकों का गोता लगाकार 22,138.95 के स्तर पर खुला और 420.35 अंक गिरकर 22,124.70 के स्तर पर बंद हुआ।

1 मार्च से 6 बड़े बदलाव, वित्तीय लेन- देन और दैनिक जीवन पर पड़ेगा प्रभाव

यूपीआई के नियम बदले, कमर्शियल गैस सिलेंडर हुआ महंगा

नई दिल्ली ।

भारत में 1 मार्च से कई महत्वपूर्ण नियमों में बड़े बदलाव हो गए हैं, जो सीधे आपके वित्तीय लेन-देन और दैनिक जीवन पर प्रभाव डाल सकते हैं। यह बदलाव एलपीजी सिलेंडर की कीमतों से लेकर यूपीआई के नियमों तक से जुड़े हैं।

एलपीजी सिलेंडर में दाम की बढ़ोतरी- तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 6 रुपये तक बढ़ा दिए हैं। अब इस सिलेंडर की कीमत 1803 रुपये हो गई है। कोलकाता और चेन्नई में इन सिलेंडरों के दाम क्रमशः 1913 रुपये और 1965.50 रुपये हो गए हैं। रसोई गैस की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

एविएशन टर्बाइन ईंधन की कीमत घटाई- जेट ईंधन की कीमत में 0.23 प्रतिशत की कमी आई है जिससे नई कीमत 95,311.72 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है।

यूपीआई के बीमा प्रीमियम पेमेंट के नियमों में बदलाव- 1 मार्च से यूपीआई में बीमा प्रीमियम पेमेंट को सरल और सुरक्षित बनाने के लिए एक नई सुविधा जोड़ी गई है। बीमा-एएसबी (एप्लिकेशन सपोर्टेड बाय ब्लॉक अमाउंट) के जरिए, लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसीहोल्डर अब अपने प्रीमियम पेमेंट के लिए पहले से ही पैसे को ब्लॉक कर सकेंगे। पॉलिसी होल्डर की अनुमति के बाद भुगतान किया जाएगा।

म्यूचुअल फंड और डीमैट खाते में नॉमिनी जोड़ने के नए नियम- अब से म्यूचुअल फंड और डीमैट फोलियो में एक निवेशक अधिकतम 10 नॉमिनी जोड़ सकता है। इसका उद्देश्य निवेशकों की संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन और क्लेम न की जाने वाली संपत्तियों में कमी लाना है।

पीएनबी में अकाउंट बंद करने का नियम- अगर आपके पंजाब नेशनल बैंक में दो साल तक कोई लेन-देन नहीं होता, तो बैंक आपका अकाउंट डी-एक्टिवेट कर सकता है। इस स्थिति से बचने के लिए आपको केवायसी प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इन बदलावों के साथ, नागरिक अपने वित्तीय निवेशों और लेन-देन में सावधानी बरते ताकि उन्हें किसी प्रकार की समस्या ना हो।

शेयर बाजार में एफआईआईएस ने जोरदार बिकवाली की

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआईएस) ने जोरदार बिकवाली की, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआईएस) ने मजबूत लिवाली जारी रखी। एफआईआईएस की बिकवाली का असर बाजार पर साफ दिखा, क्योंकि उन्होंने कुल 50,878.46 करोड़ रुपए के शेयर बेचे और सिर्फ 39,239.44 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे, जिससे उनकी शुद्ध बिकवाली 11,639.02 करोड़ रुपए रही। दूसरी ओर डीआईआईएस की लगातार खरीदारी ने बाजार को समर्थन देने का काम किया। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों ने बाजार में भरोसा दिखाते हुए कुल 28,065.55 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 15,756.92 करोड़ के शेयर बेचे। नतीजतन, उनकी शुद्ध खरीदारी 12,308.63 करोड़ रुपए रही। एफआईआईएस की भारी बिकवाली से बाजार में दबाव बना हुआ है, जबकि डीआईआईएस की मजबूत खरीदारी ने कुछ हद तक बाजार को संभालने में मदद की। निवेशक अब आगे की दिशा के लिए वैश्विक संकेतों और घरेलू आर्थिक कारकों पर नजर बनाए हुए हैं।

देशभर में न्यू डिजायर को मिल रहा बेहतर रिस्पांस

नई दिल्ली ।

देश भर में न्यू डिजायर कार को बेहतर रिस्पांस मिल रहा है। साल 2025 का जनवरी महीना सेडान कार सेगमेंट के लिए उतना अच्छा नहीं रहा, जितना हैचबैक और एसयूवी सेगमेंट के लिए रहा, लेकिन नई होंडा अमेज और स्कोडा स्लाविया के साथ ही मारुति सुजुकी सिआज जैसी गाड़ियों ने सेडान सेगमेंट को जिंदा रखा।

हालांकि, सेगमेंट में टॉप पोजिशन पर हमेशा की तरह मारुति सुजुकी डिजायर रही। ऑल न्यू डिजायर लॉन्चिंग के बाद से ही भारतीयों को दीवाना बना रही है और इसकी 5 स्टार सेफ्टी पर ग्राहक दिल लुटा रहे हैं। हालांकि, सालाना रूप से डिजायर की बिक्री में बीते जनवरी में 8 फीसदी की गिरावट देखी गई और इसे 15,383 ग्राहकों ने खरीदा। बीते जनवरी 2025 की टॉप 10 सेडान कारों की बिक्री के आंकड़े देखें तो मारुति सुजुकी डिजायर की बादशाहत के बाद हुंडई ऑरा दूसरे स्थान पर रही और इसे 5388 ग्राहकों ने खरीदा। ऑरा की बिक्री में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। तीसरे स्थान पर रही नई होंडा अमेज की बिक्री में करीब 21 फीसदी की तेजी बीते महीने दिखी है। चौथे स्थान पर रही फॉक्सवैगन वर्टस की बिक्री में करीब साढ़े चार फीसदी की कमी सालाना रूप से दिखी है। 5वें स्थान पर स्कोडा स्लाविया रही और इसकी बिक्री में 21 फीसदी

से ज्यादा की बढ़ोतरी सालाना तौर पर दिखी है।

होंडा सिटी की बिक्री में 34 फीसदी और 10वें स्थान पर रही टोयोटा कैम्री की बिक्री में करीब 37 फीसदी की गिरावट सालाना रूप से पिछले महीने दिखी है। आइए, अब आपको जनवरी 2025 की टॉप 10 सेडान कारों की सेल्स रिपोर्ट आंकड़ों के माध्यम से बताते हैं।बीते जनवरी में टाटा टिगोर के पेट्रोल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक मॉडल की कुल मिलाकर 1484 यूनिट बिकी और यह करीब 4 फीसदी की सालाना गिरावट के साथ है। इसकते बाद हुंडई वरना की बिक्री में 32 फीसदी की गिरावट आई है। इन सबके बीच मारुति सुजुकी सिआज की बिक्री बीते महीने सालाना तौर पर 111 फीसदी बढ़ गई।

टेस्ला सेल्स, सर्विस और सपोर्ट नेटवर्क पर दे रही है जोर

नई दिल्ली ।

बीते दिनों खबर आई कि अमेरिका के मशहूर उदयोग पति एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने भारत में हायरिंग शुरू की है। अब एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि कंपनी सेल्स, सर्विस और सपोर्ट नेटवर्क पर जोर दे रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, टेस्ला भारत में जोर-शोर से लोगों को नौकरी पर रख रही है। यह कंपनी की भारत में अपनी जगह पक्की करने की रणनीति का हिस्सा है। टेस्ला ने मुंबई और पुणे में 15 लोगों की नियुक्ति की है। इससे पता चलता है कि कंपनी एक मजबूत आधार तैयार करना चाहती है। ग्लोबल डेटा की रिपोर्ट बताती है कि टेस्ला भारत के ईवी मार्केट में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है। भारत में भर्तियां शुरू करना इसी बात का संकेत है। टेस्ला चार्जिंग, इंजीनियरिंग, आईटी, वीइकल सर्विस, सेल्स, कस्टमर सपोर्ट और दूसरे सेक्टर में लोगों को नौकरी पर रख रही है। लंबे समय से सुनने को मिल रहा है कि टेस्ला कारें जल्द ही भारत में लॉन्च होंगी, लेकिन बीते दिनों से जिस तरह से इस मामले में डेवलपमेंट सामने आए हैं, इससे पता चलता है कि इस बार टेस्ला कुछ ज्यादा ही सीरियस है और अमेरिका में पीएम नरेंद्र मोदी और टेस्ला के मालिक एलन

मस्क की मुलाकात का असर हुआ है। बता दें कि टेस्ला कस्टमर सर्विस पर भी खास ध्यान दे रही है। कंपनी सर्विस एडवाइजर और पार्ट्स एडवाइजर की नियुक्ति कर रही है। ये लोग ग्राहकों की समस्याएं सुनेंगे, गाड़ियों की सर्विसिंग का ध्यान रखेंगे और ग्राहकों को अच्छा अनुभव देंगे। मतलब साफ है कि टेस्ला भारतीय ग्राहकों के सामने ऐसी इमेज बनाने की तैयारी में है कि उसकी कार खरीदने पर आफ्टर सेल्स सर्विस का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट्स में टेस्ला के नए शोरूम खोलने की भी चर्चा है। यह भी कंपनी की भारत में पैर जमाने की रणनीति का हिस्सा है। यहां बता दें कि टेस्ला इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। कंपनी अपनी बेहतरीन तकनीक और डिजाइन के लिए जानी जाती है। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों का बाजार तेजी से बढ़ रहा है और टेस्ला इस बढ़ते बाजार का फायदा उठाना चाहती है। कंपनी की योजना भारत में अपनी कारें बनाना और बेचना है।

भारतीय अर्थव्यवस्था ने पकड़ी रफ्तार, लेकिन चुनौतियां बरकरार!

- चालू वित्त वर्ष में जीडीपी की वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान

मुंबई ।

चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 6.2 फीसदी रही जो इससे पिछली तिमाही में 5.6 फीसदी (संशोधित) रही थी। हालांकि पिछले आंकड़ों में संशोधन ने अर्थशास्त्रियों को उलझन में डाल दिया है, जिससे आंकड़ों की शुचिता को लेकर चिंता बढ़ गई हैं। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी दूसरे अग्रिम अनुमान में चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने की बात कही गई है। जनवरी के पहले अग्रिम अनुमान में इसके 6.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया था। चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाही में जीडीपी की औसत वृद्धि दर 6.1 फीसदी रही और पूरे साल के लिए 6.5 फीसदी वृद्धि दर अनुमान को हासिल करने के लिए चौथी तिमाही में वृद्धि दर 7.6 फीसदी रहनी चाहिए। मगर अर्थशास्त्रियों का कहना है कि इतनी वृद्धि दर हासिल करना चुनौतीपूर्ण होगा। वित्त वर्ष 2025 की वृद्धि दर अनुमान के अलावा सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2023 के वृद्धि दर अनुमान को 7 फीसदी से संशोधित कर 7.6 फीसदी वित्त वर्ष 2024 के 8.2 फीसदी वृद्धि दर को बढ़ाकर 9.2 फीसदी कर दिया है। वित्त वर्ष 2025 के लिए नॉमिनल जीडीपी 331 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया गया है, जो 9.9 फीसदी वृद्धि को दर्शाता है। हालांकि पहले अग्रिम अनुमान में इसमें 9.7 फीसदी वृद्धि की बात कही गई थी। इस अनुमान से सरकार को वित्त वर्ष 2025 के लिए संशोधित राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 4.8 फीसदी तक सीमित रखने में आसानी हो सकती है। हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2025) में जीडीपी वृद्धि 6.8 फीसदी रहेगी। वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में आर्थिक गतिविधि में थोड़ी वृद्धि हुई है मगर यह अभी भी मामूली बढ़ा है। ऐसे में उम्मीद है कि भारतीय रिजर्व बैंक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए अप्रैल में रीपो दर में 25 आधार अंक की और कटौती कर सकता है। दिसंबर तिमाही में कृषि क्षेत्र में 5.6 फीसदी की शानदार वृद्धि देखी गई। विनिर्माण क्षेत्र में सुस्ती बनी हुई है और इस क्षेत्र में केवल 3.5 फीसदी की वृद्धि हुई। निर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर घटकर 7 फीसदी रह गई, जो सितंबर तिमाही में 8.7 फीसदी थी।

कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म एडिशन लॉन्च

नईदिल्ली ।

कार बनाने वाली कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म एडिशन को लॉन्च किया है। आप इसे 11,000 रुपये की टोकन राशि देकर अपने नजदीकी एमजी डीलरशिप से बुक कर सकते हैं। इसकी एक्स शोरूम प्राइस 7.80 लाख है और इसे 2.5 रुपये प्रति किलोमीटर बैटरी रेंटल सर्विस के साथ पेश किया गया है, जिससे यह कॉमेट ईवी का टॉप वेरिएंट बन जाता है। बता दें कि इसमें स्टाइलिश स्टारी ब्लैक एक्सटीरियर के साथ ही इंटीरियर में रेड एक्सेंट और प्रीमियम लेदरेट सीट्स दिए गए हैं। ब्लैक फिनिश्ड कॉमेट ईवी नेमप्लेट और इंटरनेट इनसाइट लोगो इसे देखने में और आकर्षक बनाता है। बाद बाकी इसमें एक्सक्लूसिव एक्सेसरी पैक भी ऑफर किया जा रहा है, जिसमें बैज, व्हील कवर, हुड ब्रैंडिंग और स्किड प्लेट्स को बेहतर बनाने की सुविधा मिलता है। एमजी कॉमेट ईवी ब्लैकस्टॉर्म एडिशन में 17.4 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक दिया गया है, जो कि सिंगल चार्ज में 230 किलोमीटर की अराई-सर्टिफाइड रेंज देने में सक्षम है। इस किफायती सिटी सेंट्रिक स्मॉल इलेक्ट्रिक कार को फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ पेश किया गया है, जिससे अब चार्जिंग में कोई परेशानी नहीं होगी। बाद बाकी इसमें 4-स्पीकर साउंड सिस्टम, बड़ी स्क्रीन समेत काफी सारे स्मार्ट और सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं। इसकी 2.5 प्रति किमी बैटरी रेंटल सर्विस के साथ एक्स शोरूम प्राइस 4.99 लाख रुपये से शुरू होती है। ऐसे में जो लोग एक स्टाइलिश, किफायती और स्मार्ट इलेक्ट्रिक कार लेना चाहते हैं, उनके लिए एमजी कॉमेट और इसका ब्लैकस्टॉर्म एडिशन अच्छे विकल्प के रूप में है। बता दें कि जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया को भारत में शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। साल 2024 में इसकी बिक्री 29 फीसदी बढ़ी, जिससे यह भारत के शहरी इलाकों में सबसे पसंदीदा ईवी में से एक बन गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत बनाम न्यूजीलैंड: चैंपियंस ट्रॉफी में टॉप पर पहुंचने की जंग

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम अपना आखिरी लीग मुकाबला 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। इस मैच पर सभी की नजरें टिकी हैं, क्योंकि यह मुकाबला तय करेगा कि ग्रुप ए में कौन सी टीम शीर्ष पर रहेगी। भारत और न्यूजीलैंड दोनों ही सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं, लेकिन ग्रुप स्टेज में पहला स्थान हासिल करने के लिए यह मैच बेहद अहम होगा। अब तक भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। पहले मैच में बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया और फिर पाकिस्तान को भी 6 विकेट से मात दी। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड ने भी अपने दोनों मुकाबले जीते हैं। उन्होंने पाकिस्तान को 60 रनों से हराया और फिर बांग्लादेश को 5 विकेट से शिकस्त दी। ऐसे में दोनों टीमें पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेंगी।

इस टूर्नामेंट में अब तक तीन मैच बारिश की वजह से प्रभावित हुए हैं। साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था, जबकि पाकिस्तान और बांग्लादेश का मैच भी बारिश के कारण नहीं हो सका। ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के बीच मैच आधा ही खेला जा सका और अंकों का बंटवारा हुआ। ऐसे में फैंस के मन में यह सवाल जरूर उठ रहा है कि भारत और न्यूजीलैंड के मुकाबले पर मौसम का क्या असर पड़ेगा।

राहत की बात यह है कि मौसम पूरी तरह से साफ रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को दुबई में तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा और ह्यूमिडिटी 47त्न तक होगी। मैच के दौरान हवा की गति 29 किलोमीटर प्रति घंटे रहने की संभावना है, लेकिन बारिश की संभावना केवल 5त्न ही जताई गई है। इसका मतलब यह है कि फैंस को पूरे 50 ओवर का रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा।

भारतीय टीम की अगुआई कप्तान रोहित शर्मा करेंगे, जबकि न्यूजीलैंड की कप्तानी केन विलियमसन के हाथों में होगी। भारत के लिए विराट कोहली, शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी अहम भूमिका निभा सकते हैं, जबकि न्यूजीलैंड की टीम डेवोन कॉनवे, ट्रेंट बोल्ट और मिशेल सैंटनर पर निर्भर रहेगी। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे से शुरू होगा। भारत में इसे स्पोर्ट्स18 एचडी और स्पोर्ट्स18 एसडी चैनलों पर लाइव देखा जा सकता है।

मौसम और पिच रिपोर्ट

भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह हाई-वोल्टेज मुकाबला दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। अच्छी खबर यह है कि मौसम पूरी तरह से मैच के अनुकूल रहेगा। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक, दुबई में रविवार को तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है, जबकि ह्यूमिडिटी 47 फीसदी तक रहेगी। हवा की गति 29 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी और आसमान साफ रहेगा। बारिश की संभावना केवल 5 फीसदी है, जिससे पूरे मैच के सुचारू रूप से संपन्न होने की उम्मीद है।

वहीं पिच की बात करें तो दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम की पिच को धीमा बताया जा रहा है, जहां स्पिनर्स को मदद मिलने की संभावना है। पिच पर गेंद थोड़ा रुककर आती है, जिससे शुरुआती बल्लेबाजों को परेशानी हो सकती है। हालांकि, सेट होने के बाद बल्लेबाजी आसान हो सकती है। भारतीय टीम ने इस मैदान पर अब तक 8 मैच खेले हैं, जिसमें से 7 में उसे जीत मिली है और केवल 1 में हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि जिस तरह पाकिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था, उसी तरह न्यूजीलैंड को भी मात देकर सेमीफाइनल में मजबूती से कदम रखेगी। अब देखना यह होगा कि सुपर संडे का यह रोमांचक मुकाबला किसके नाम होता है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारतीय - रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रवींद्र जड़ेजा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी, कुलदीप यादव।

न्यूजीलैंड - विल यंग, डेवोन कॉनवे, केन विलियमसन, रचिन रविंद्र, टॉम लैथम (विकेट कीपर), ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, मिशेल सेंटनर (कप्तान), मैट हेनरी, काइल जैमीसन, विलियम ओरोर्के।

चैंपियंस ट्रॉफी: अफगानिस्तान से हार से दुखी इंग्लैंड के कप्तान बटलर ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप से बाहर होने के बाद जोस बटलर ने इंग्लैंड के सफेद गेंद के कप्तान के पद से इस्तीफा दे दिया है, उन्होंने घोषणा की कि वह करांची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी बार टीम का नेतृत्व करेंगे। बटलर ने कहा कि वह इंग्लैंड की कप्तानी छोड़ रहे हैं। यह उनके और टीम के लिए सही फैसला है। उम्मीद है कि ब्रेंडन मैकुलम के साथ कोई और आ सकता है जो टीम को वहां ले जाएगा जहां इसकी जरूरत है।

बटलर इंग्लैंड के लिए खेलना जारी रखेंगे और उन्होंने कहा कि वह वास्तव में अपने क्रिकेट का आनंद लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अभी भी हावी भावनाएं उदासी और निराशा हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें यकीन है, समय के साथ, यह बीत जाएगा और वह अपने क्रिकेट का आनंद ले सकेंगे और यह भी प्रतिबिंबित करने में सक्षम होंगे कि अपने देश की कप्तानी करना कितना बड़ा सम्मान है और इसके साथ आने वाली सभी विशेष चीजें।

बता दें बटलर को जून 2022 में इयोन मोर्गन के उत्तराधिकारी के रूप में नियुक्त किया था और उन्होंने उस साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप जीता था, लेकिन लगातार तीन असफल आईसीसी आयोजनों 2023 में 50 ओवर विश्व कप, 2024 में टी20 विश्व कप और 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अब उनपर दबाव बन गया था। इंग्लैंड क्रिकेट के परिणामों में तेजी से गिरावट आई थी जिसका जिम्मेदार बटलर को माना गया था।

बटलर ने अफगानिस्तान से इंग्लैंड की 8 रन से हार के बाद संकेत दिया कि वह साल 10 मैचों में नौवीं हार मिलने पर इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने कहा था कि उन्हें सभी संभावनाओं पर विचार करने और इस पर काम करने की जरूरत है कि क्या वह समस्या का हिस्सा हैं या समाधान का।

ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, मैथ्यू शॉर्ट सेमीफाइनल से हो सकते हैं बाहर

करांची (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में बिना कोई मैच जीते सेमीफाइनल में पहुंच चुकी ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ा झटका लग सकता है। टीम के सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट चोटिल हो गए हैं और उनके आगामी मुकाबले में खेलने पर संशय बना हुआ है। शॉर्ट को अफगानिस्तान के खिलाफ लाहौर में खेले गए मैच के दौरान चोट लगी थी, जिसके कारण वह सेमीफाइनल से बाहर हो सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने इस पर चिंता जताते हुए कहा कि शॉर्ट अभी संघर्ष कर रहे हैं और उनके ठीक होने के लिए कुछ दिन काफी कम हैं। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि उनकी जगह कौन सा खिलाड़ी प्लेइंग इलेवन में शामिल होगा, लेकिन माना जा रहा है कि जेक फ्रेजर-मैकगर्क को मौका मिल सकता है। मैथ्यू शॉर्ट ने अफगानिस्तान के खिलाफ 15 गेंदों पर 20 रन बनाए थे, जिसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल था। उन्होंने टूर्नामेंट में अब तक 102 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 83 रन बनाए हैं, जिससे वह टीम के अहम बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी लाइनअप पर असर पड़ सकता है। अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में ऑस्ट्रेलिया 274 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही थी और 13 ओवर में एक विकेट खोकर 109 रन बना चुकी थी। लेकिन इसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा और करीब एक घंटे की देरी के बाद अंपायरों ने गीली पिच की वजह से मैच रद्द करने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया फिलहाल ग्रुप बी की अंक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है। टीम को अब यह जानने के लिए रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मुकाबले का इंतजार करना होगा कि उसका सेमीफाइनल मुकाबला 4 मार्च को दुबई में होगा या 5 मार्च को लाहौर में।

न्यूजीलैंड 5 खब्बू बल्लेबाजों के साथ खेलेगी, शमी की जगह अर्शदीप को मिलेगा मौका

दुबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की टीम में 5 खब्बू बल्लेबाजों की मौजूदगी और पाकिस्तान के खिलाफ मैच में मोहम्मद शमी को पिंडली में हुई हल्की परेशानी के कारण भारतीय टीम प्रबंधन रविवार को चैम्पियंस ट्रॉफी के मैच में इस अनुभवी तेज गेंदबाज को आराम देकर अर्शदीप सिंह को उतार सकता है। शुक्रवार को अभ्यास सत्र को संकेत माने तो पंजाब के तेज गेंदबाज अर्शदीप इस मैच में शमी की जगह खेल सकते हैं। उन्होंने गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल के साथ काफी अभ्यास किया और 13 ओवर डाले।

शमी ने छोटे रनअप के साथ सिर्फ छह सात ओवर फेंके। पाकिस्तान के खिलाफ 23 फरवरी के मैच में शमी को तीसरे ओवर के बाद ही फिजियो से दाहिने पैर में उपचार कराना पड़ा था। अभ्यास सत्र के दौरान खिलाड़ियों के हावभाव से लग रहा था कि भारत सेमीफाइनल से पहले शमी को ब्रेक दे सकता है। केएल राहुल ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि विजयी संयोजन में बदलाव होगा या नहीं, कहा नहीं जा सकता लेकिन सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने शाम को संकेत दिया कि गेंदबाजी संयोजन में बदलाव हो सकता है।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अर्शदीप का प्रदर्शन

अर्शदीप ने भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। टूर्नामेंट में उन्होंने 8 मैचों में 17 विकेट लिए, जो किसी एक संस्करण में सबसे ज्यादा विकेट का रिकॉर्ड है (फजलहक फारूकी के साथ संयुक्त)। उनका औसत 12.64 और इकोनॉमी रेट 7.16 रहा। फाइनल में बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 4 ओवर में 20 रन देकर 2 विकेट लिए, जिससे भारत ने 169 रन का स्कोर डिफेंड किया।

अर्शदीप का वनडे प्रदर्शन

अर्शदीप ने हाल में ज्यादा वनडे नहीं खेले हैं। उनका आखिरी वनडे दिसंबर 2023 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ था, जहां उन्होंने 3 मैचों में 10 विकेट लिए थे, जिसमें एक फाइव-विकेट हॉल (5/37) शामिल था। इसके बाद से वे मुख्य रूप से टी20 पर केंद्रित रहे हैं।

सरफराज को जून में मिल सकता है टेस्ट खेलने का अवसर

नई दिल्ली। घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाने वाले सरफराज खान को जून में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से एक बार फिर अवसर मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें एक भी टेस्ट मैच में खेलने का मौका नहीं मिला क्योंकि वह चोटिल हो गए थे। इसके बाद वह घरेलू क्रिकेट भी नहीं खेल पाये। भारतीय टीम को अब टेस्ट क्रिकेट जून में खेलना है। तब टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर जाएगी जहां उसे मेजबानों के साथ 5 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से खेला जाएगा। सरफराज ने अपना आखिरी टेस्ट न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले साल नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर में खेला था। उन्होंने अभी तक भारत के लिए केवल एक टेस्ट में डेब्यू किया है। ऐसे में अब वह तभी भारतीय टीम में नजर आ सकते हैं।

सरफराज का घरेलू क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड है। उन्हें घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद साल 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला। सरफराज ने अब तक 6 टेस्ट खेले हैं जिसमें उन्होंने 371 रन बनाए हैं जिसमें 1 शतक और 3 अर्धशतक शामिल है। उनका सबसे अधिक स्कोर 150 रन रहा है। इसके अलावा 54 फर्स्ट क्लास मैचों में सरफराज खान के नाम 4593 रन दर्ज हैं।

पसंदीदा कवर ड्राइव से पारी को नियंत्रित करते हैं विराट

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि कवर ड्राइव उनका पसंदीदा शॉट है। कोहली के अनुसार इस शॉट से वह पारी को नियंत्रित भी कर पाते हैं हालांकि कभी-कभी ये नुकसान देह भी रहा है। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफ में शतक के दौरान भी कई कवर ड्राइव लगाये थे। कोहली ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए एक वीडियो में कहा कि ये एक कठिन स्थिति है। ये कवर ड्राइव पिछले कुछ साल में मेरी कमजोरी रहा है हालांकि इसी शॉट से उन्होंने काफी रन भी बनाये हैं।,कोहली ने कहा, ''क्योंकि जब मैं इस तरह के शॉट लगाता हूं तो मैं क्रीज पर बल्लेबाजी करते समय नियंत्रण महसूस करता हूं। इसलिए पाक के खिलाफ खेली गयी पारी मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से एक अच्छी पारी थी।'' उन्होंने कहा कि तीसरे नंबर पर उनकी भूमिका पिछले कुछ साल में बदलाव रहित रही है। एक बात जो मैंने हमेशा तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते समय सोची है, वह है जोखिम को कम करना और यह तय करना कि मैं अपनी टीम को जीत की स्थिति में बनाये रखूं। विराट जब पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के मैच में जब शतक लगाने के करीब थे, तो उनके साथ दूसरे छोर पर खड़े अक्षर पटेल इस बात का हिसाब लगा रहे थे कि किस प्रकार खेला जाये जिससे विराट शतक तक पहुंच पायें।

संयम रखे अफगानिस्तान तो एक दशक में जीत लेगा आईसीसी टूर्नामेंट : डेल स्टेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन का मानना है कि तेजी से आगे बढ़ रही अफगानिस्तान की टीम के खिलाड़ी अगर मैदान पर सयंम से खेलना सीख लें तो अगले दशक में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का सीमित ओवर का टूर्नामेंट जीत सकती है। अफगानिस्तान की टीम 2023 वनडे विश्व कप में नॉकआउट में जगह बनाने के करीब पहुंच गई थी जिसमें उसने पूर्व चैंपियन इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया था। पिछले साल के टी20 विश्व कप में टीम सेमीफाइनल में पहुंची थी जिसमें उसने ऑस्ट्रेलिया को बाहर कर दिया था। अपने देश में युद्ध और अस्थिरता के बावजूद अफगानिस्तान क्रिकेट टीम अब सफेद गेंद के टूर्नामेंट में मजबूत टीम बन गई है।

स्टेन ने कहा कि हम ऐसे समय में जी रहे हैं जिसमें लोग इतने संयमित नहीं हैं। हम इंस्टाग्राम स्टोरी को भी महज मुश्किल से दो सेकेंड देख पाते हैं और ऐसा लगता है कि अफगानिस्तान के खिलाड़ी भी क्रिकेट खेलते समय ऐसे ही होते हैं। उन्होंने कहा कि संयम सबसे बड़ी चीज में से एक है जिसे अफगानिस्तान के खिलाड़ियों को सीखने की जरूरत है। और एक बार जब वे ऐसा कर लेंगे तो अगले दशक में वे निश्चित रूप से आईसीसी टूर्नामेंट जीत सकते हैं।

स्टेन ने कहा कि वे चाहते हैं कि चीजें इतनी जल्दी हो जायें कि हर गेंद विकेट लेने वाली होनी चाहिए। पारी बनाते हुए और विकेट लेने के लिए संयम नहीं है। बल्लेबाज भी ऐसा ही करते हैं। पहले ओवर में बल्लेबाजी में ही क्रीज पर इतनी अधिक हलचल होती क्योंकि वे छक्का मारने की कोशिश करते हैं और वे पारी को तेजी से आगे बढ़ाने की कोशिश करते हैं।

अफगानिस्तान की टीम इंग्लैंड को हराने के बाद सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के साथ तीन तरफा मुकाबले में थी। लेकिन दक्षिण अफ्रीका से पहले मैच में हारने और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्चुअल क्वार्टरफाइनल के बारिश की भेंट चढ़ने से उसे काफी नुकसान हुआ।

आंकड़ों के हिसाब से अफगानिस्तान की टीम अब भी क्वालीफाई कर सकती है, अगर इंग्लैंड की टीम शनिवार को दक्षिण अफ्रीका पर बड़े अंतर से जीत दर्ज कर ले। लेकिन इसकी संभावना कम है क्योंकि दक्षिण अफ्रीका का नेट रेट 2.140 है जो अफगानिस्तान के माइनस 0.990 से काफी बेहतर है।

जब सीमा पर शांति होगी तभी खेली जाएगी भारत-पाक द्विपक्षीय सीरीज : गावस्कर

मुम्बई। भारत और पाकिस्तान ने करीब एक दशक से कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है। दोनो ही टीमों ने अंतिम बार कोई सीरीज साल 2012-13 में खेली थी। तब पाक टीम भारत दौरे पर आई थी। इसके बाद से ही राजनीतिक तनाव के चलते भारतीय टीम ने पाक दौरे से इंकार कर दिया। इसके पीछे एक बड़ा कारण खिलाड़ियों की सुरक्षा का भी है। भारतीय टीम अभी जारी चैम्पियंस ट्रॉफी में अपने मुकाबले दुबई में खेल रही है जबकि इस टूर्नामेंट का मेजबान पाक है। वहीं जब एक शो में टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर से पूछा गया कि भारतीय टीम कब पाक के साथ द्विपक्षीय सीरीज खेलेगी तो गावस्कर ने कहा कि जब तक सीमा पर शांति नहीं हो जाती, तब तक द्विपक्षीय क्रिकेट संबंधों की बहाली संभव नहीं है। गावस्कर ने कहा कि जब सीमा पर शांति होगी तो तभी खेल भी संभव है। अगर सीमा पर शांति रहती है, तो मुझे लगता है कि दोनों सरकारें निश्चित रूप से कहेंगी, देखिए ठीक है हमारे यहां कोई घटना नहीं हुई बिल्कुल भी नहीं। तो चलिए कम से कम बाचतीत से शुरुआत करते हैं। गावस्कर ने आगे कहा कि, मुझे पूरा भरोसा है कि बातचीत के प्रयास चल रहे होंगे पर जब तक जमीन पर सब कुछ ठीक न हो कुछ कहा नहीं जा सकता। आये दिन हम आतंकी घुसपैठ की बातें सुनते हैं। इसी कारण भारत सरकार कह रही है कि पहले पाक अपनी हरकतें रोके उसके बाद ही खेल होना संभव है।

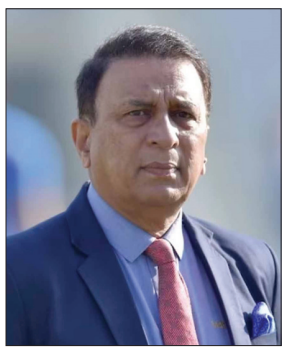

शमी खतरनाक गेंदबाज, हमेशा विकेटकीपरों को चुनौती देने का ढूंढते हैं तरीका

-केएल राहुल ने किया खुलासा, कीपिंग के अनुभव किए साझा

दुबई (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर और बल्लेबाज केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी मुकाबले से पहले मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह में से खरतनाक कौन? वाले सवाल का जवाब दिया है। बुमराह चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेल रहे हैं। उनकी जगह अर्शदीप सिंह को मौका मिला है। इस दौरान टीम इंडिया के लिए तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी प्रभावी प्रदर्शन कर रहे हैं। मोहम्मद शमी का न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रदर्शन शानदार रहा है। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी मैच में काफी प्रभावी साबित हो सकते हैं। इस बीच राहुल ने शमी के सामने कीपिंग के अपने अनुभव और चुनौतियों को साझा किया है।

राहुल ने खुलासा किया कि मोहम्मद शमी हमेशा विकेटकीपरों को चुनौती देने का एक तरीका ढूंढते हैं, अक्सर उन्हें फुल-लेंथ डाइव लगाने के लिए मजबूर करते हैं। राहुल ने बुमराह से ज्यादा शमी को तवज्जो दी है और कहा कि विकेटकीपिंग के दौरान शमी के खिलाफ मुश्किल बात यह है कि हर खेल में किसी न किसी तरह वह यह तय करते हैं कि मैं पूरी लंबाई में गोता लगाऊं और फिर वह मुझे स्टंप के पीछे शानदार प्रदर्शन करने या कभी-कभी बेवकूफ दिखने के एक या दो मौके देते हैं।

उन्होंने कहा कि शमी, बुमराह के साथ मिलकर प्रभाव पैदा करते हैं। राहुल ने हाल के नेट सत्र को याद किया जहां शमी की तेज़ गति ने उन्हें आश्चर्यचकित कर दिया था। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में नेट पर शमी ने मुझे सीधे बैज पर मारा। इसलिए ये सभी चीजें उसे एक बहुत ही मुश्किल गेंदबाज बनाती हैं जिसके खिलाफ खेलना बहुत मुश्किल है। राहुल ने कहा कि बुमराह दूसरे या तीसरे स्पैल में शानदार गेंदबाजी करते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि इसका किसी चीज से क्या लेना-देना है, लेकिन वह स्टंप के पीछे भी गेंद को डगमगाते हैं। इसलिए यह बहुत चुनौतीपूर्ण है। अपने प्राकृतिक सीम मूवमेंट से परे, राहुल ने शमी की सटीकता और तीक्ष्णता पर जोर दिया, ऐसे पहलू जिनकी अक्सर सराहना नहीं की जाती है।

सहायक कोच ने बताया पंत के बाहर बैठने का कारण

नई दिल्ली। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है और अब ग्रुप स्टेज में शीर्ष स्थान पाने के लिए उसका मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। टीम इंडिया के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अभी तक एक भी मैच नहीं खेले हैं, लेकिन टीम प्रबंधन उन्हें तैयार रखना चाहता है। भारत के सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में स्वीकार किया कि पंत के लिए बाहर बैठना आसान नहीं रहा, लेकिन इस स्तर के क्रिकेट में ऐसा होता है। उन्होंने कहा, ऋषभ के लिए बाहर रहना मुश्किल रहा है, लेकिन क्रिकेट का नेचर यही है। केएल राहुल ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है, हालांकि उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले, क्योंकि हमें पंत को भी तैयार रखना था। हमें नहीं पता कि कब उनकी जरूरत पड़ जाए, लेकिन दो शानदार विकेटकीपर टीम में होना हमेशा फायदेमंद रहता है। डोइशे ने आगे बताया कि न्यूजीलैंड के पास चार स्पिनर हैं, जिससे मुकाबला और रोचक हो सकता है। उन्होंने कहा, यह स्पिनरों की टक्कर होगी। टूर्नामेंट से पहले हमने नहीं सोचा था कि स्पिनर्स इतनी अहम भूमिका निभाएंगे, लेकिन पिच ने भी उनकी मदद की है। मुझे यकीन है कि अगले मैच में भी स्पिनरों का प्रभाव देखने को मिलेगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला बेहद अहम होने वाला है। जहां भारतीय टीम की नजर ग्रुप में टॉप पर रहने पर होगी, वहीं न्यूजीलैंड भी इस मैच को जीतकर अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगा।

चैंपियन ट्रॉफी के फाइनल में इंडिया-आस्ट्रेलिया हो सकते हैं आमने-सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियन ट्रॉफी 2025 के तीन टीमें सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं, जबकि चौथी टीम आज होने वाले मैच पर तय होगी। टीम इंडिया के बाद न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल्स के लिए क्वॉलिफाई कर लिया है। चौथी टीम साउथ अफ्रीका हो सकती है। साउथ अफ्रीका को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए जीत जरुरी नहीं। ऐसे में कहा जा सकता है कि वर्ल्ड कप 2023 जैसे स्थिति बन सकती है और चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल भी टीम इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच हो सकता है।

बता दें वर्ल्ड कप 2023 की सेमीफाइनल्स इंडिया, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की टीमों के बीच हुआ था। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी यही चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचने वाली हैं, जिनमें से भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड पहले ही पहुंच चुकी हैं, जबकि साउथ अफ्रीका की टीम को अगर इंग्लैंड के खिलाफ जीत मिलती है तो साउथ अफ्रीका टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी और अगर इंग्लैंड के खिलाफ साउथ अफ्रीका की टीम मैच हार भी जाती है तो भी सेमीफाइनल खेलेगी।

इसके लिए साउथ अफ्रीका को अगर इंग्लैंड ने 300 रन बनाए तो 207 या इससे ज्यादा रनों से हार नहीं मिलनी चाहिए। इसके अलावा अगर साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी की और 300 रन बनाए तो इंग्लैंड को 11.1 ओवर में उस टारगेट को चेज नहीं करने देना चाहिए। अगर इससे बच जाती है और साउथ अफ्रीका की टीम मुकाबला हार भी जाती है तो भी सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी, क्योंकि साउथ अफ्रीका के तीन पॉइंट रहेंगे और अफगानिस्तान से उसका नेट रन रेट बेहतर रहेगा।

माना जा रहा है कि इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल हो सकता है। अगर पहला सेमीफाइनल इंडिया और साउथ अफ्रीका के बीच होता है और दूसरा सेमीफाइनल ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच और दोनों टीमें अपने सेमीफाइनल्स जीत जाएं तो फिर फाइनल में दोनों का मुकाबला हो सकती है। अगर साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड को हरा दिया तो फिर ऑस्ट्रेलिया की टीम ग्रुप बी में दूसरे पायदान पर होगी, जबकि इंडिया ने न्यूजीलैंड को हरा दिया तो भारत की टीम ग्रुप ए में नंबर वन होगी। ऐसे में इन दोनों के बीच सेमीफाइनल खेला जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बड़ों द्वारा तय किए लक्ष्यों में पिछड़ते बच्चे

पहले संयुक्त परिवारों में जहां बच्चों के चहुंमुखी विकास के लिए स्वस्थ माहौल व भावनात्मक सहारा मिलता था। वहीं आज उनकी दुनिया सिमटकर टीवी, गैजेट्स व कोचिंग संस्थानों तक हो गई है। एक ओर अकेलापन, अतिव्यस्तता, संवादहीनता, रिश्तों से दूरी, गलाकाट प्रतियोगिताएं, रैंक की चिंता, अच्छा कॉलेज न मिल पाने का भय, जो कि माता-पिता व संस्थानों द्वारा इस कदर दिखाया जाता है कि बच्चा स्वयं को अंक प्राप्त करने वाली मशीन समझने लगता है।

रैंकिंग की अंधी रेस में हारने वाला बच्चा या तो अपनों द्वारा बेदर्दी से दुत्कार दिया जाता है या वह स्वयं को असफल मान लेता है। ऐसे में बच्चों के संघर्ष करने की ललक कम होती जाती है और उन्हें अवास्तविक सपनों का आसमान भयावह लगने लगता है। बेहतर 'प्रोडक्ट' बनाने की दौड़ में इन बच्चों पर परीक्षाओं का बोझ इस कदर लादा जाता है कि हर वर्ष की परीक्षाएं इन्हें जिंदगी की आखिरी परीक्षा लगती है और अस्थाई सफलता के लिए ये बच्चे झंझावतों से बचने का स्थाई रास्ता खुदकुशी के रूप में अपनाना ज्यादा सरल समझते हैं।

अभिभावक क्या करें

सपने देखने की आजादी

बड़ों द्वारा तय किए लक्ष्यों को हासिल करने की दौड़ में बच्चे अक्सर पिछड़ जाते हैं और इस तनाव से बच्चे टूट जाते हैं। इसलिए बच्चों के लक्ष्य तय करने के बजाए उन्हें अपने सपने खुद देखने दें, अपने लिए लक्ष्य उन्हें स्वयं तय करने की आजादी दें। आप उन्हें पूरा करने के लिए भरपूर सहयोग करें तथा उन्हें अपनी दुनिया जीने की आजादी दें।

संवाद, विश्वास व धैर्य रखें

आप अपने व्यवहार में इतनी कठोरता न लाएं कि बच्चा आपसे अपनी समस्याएं, भावनाएं साझा करने में भी झिझकें। सदैव उन्हें सुनाने की बजाए उनकी बातों को धैर्यपूर्वक सुनें, फिर हौसला दें व सही रास्ते पर आगे बढ़ने के विकल्प सुझाए न कि अपना फैसला उन पर थोपें।

छोटी-छोटी उपलब्धियों का जश्न मनाएं

अभिभावक, बच्चों का बेहतरीन करियर बनाने की चाह में उन्हें किसी 'बड़ी' सफलता हासिल करने की ओर धकेल देते हैं। इस अंधेरी डगर पर वे उनकी हर छोटी-छोटी खुशी को नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि आपको चाहिए कि बच्चों के साथ हर छोटी-छोटी खुशी का जश्न मनाएं, प्रसन्नता जाहिर करें, उनके साथ खुशियां बांटें। असफल होने पर जादू की झप्पी दें। यही छोटी-छोटी बातें उनमें जीवन के प्रति विश्वास जगाकर आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए समर्थ व सजग व्यक्तित्व बनाती हैं।

योग्यता के अनुरूप अपेक्षाएं

आप बच्चे से उसकी काबिलियत के अनुरूप अपेक्षाएं रखें। करियर के ढेरों विकल्प हैं जिनसे बच्चों को अवगत करवाएं। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि उसने कितना स्कोर किया है। और न ही ये चंद कागज के टुकड़े किसी की सफलता के मापदंड हैं। हमारे सामने ढेरों मिसालें हैं जिनकी औपचारिक डिग्रियां अधूरी रहने के बावजूद उन्होंने सफलता के झंडे गाड़े हैं। आप उन्हें करियर के तमाम विकल्पों से अवगत करावाएं। सिर्फ प्राप्त अंकों के आधार पर विषय का चयन करने की बजाए बच्चे की रुचि, योग्यता, क्षमता आदि के आधार पर विषय चयन करने में मदद करें। करियर काउंसलिंग करवाएं। गलत विषय का चयन भी बच्चों को आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर कर देता है।

सफलता का पैमाना अंक नहीं

कागजों में दर्ज कुछ परीक्षा के अंक सफलता का पैमाना नहीं है और न ही इससे करियर के अवसर कम होते हैं। जहां चाह होगी वहीं कोई न कोई राह निकल ही आएगी। बस इस बात को दिमाग में रखना जरूरी है कि कोई भी परीक्षा बच्चों की जिंदगी से बड़ी नहीं है।

पैरेंट्स डायरी

हर कीमत पर बच्चे की मदद को तैयार रहें। उसकी शारीरिक-भावनात्मक स्थिति पर नजर रखें और प्रोफेशनल की मदद लेने को भी तैयार रहें। ताकि बच्चा अवसाद से न घिरे।
उसे भावनात्मक लगाव और सहयोग दें। उसकी बातें सुनें, आलोचना न करें और उनसे लगातार संवाद बनाएं रखें।
उसे अधिकाधिक सूचनाएं दें। लाइब्रेरी की सदस्यता दिलाएं, स्पोर्ट्स क्लब जॉइन कराएं, दोस्तों से मिलने-जुलने को प्रेरित करें, इंटरनेट पर दिलचस्प जानकारियां लेने को कहें, सामाजिक संस्था से जोड़ें।

डॉक्टर डायरी

इस तरह के मामलों में स्थिति के बारे में कयास लगाने से बेहतर है हर चीज को गंभीरता से लिया जाए। एक डॉक्टर या काउंसलर के रूप में अभिभावक व बच्चे से हर विषय पर गहनता से चर्चा करना ही इस समस्या का सबसे सर्वोत्तम उपाय है।
उचित मार्गदर्शन, प्यार, विश्वास और धैर्य के साथ बेझिझक बातचीत करते हुए बच्चे के मन की बात जानना बेहद जरूरी है ताकि वह हर बात को बिना किसी डर के आपके समक्ष रख दे। शारीरिक हालत को देखते हुए तुरंत बच्चे की मनस्थिति समझने का प्रयास शुरू कर दें।

जब हो ट्विन प्रेग्नेंसी

प्रेग्नेंसी किसी भी स्त्री के जीवन में ढेर सारी खुशियां लेकर आती है लेकिन यह अपने साथ कई जटिलताएं भी लाती हैं। अगर गर्भ में जुड़वां बच्चे हों तो स्थिति और भी मुश्किल होती है। ऐसे में जरूरी होता है कि गर्भावस्था के दौरान खानपान का ध्यान रखा जाए, नियमित जांच कराई जाए और डॉक्टर के सुझाव पूरी तरह माने जाएं, ताकि जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ और खुश रहें।

गर्भाशय का आकार सामान्य से बड़ा हो और एक से अधिक गर्भ की हार्टबीट्स सुनाई दे रही हों तो डॉक्टर अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह देते हैं। इसी से पता लगता है कि यह ट्विन प्रेग्नेंसी है या नहीं। जैसे ही ट्विन प्रेग्नेंसी का पता चले, अपने और होने वाले बच्चे की बेहतरी के लिए कुछ जरूरी कदम उठाएं। ट्विन प्रेग्नेंसी की जटिलताएं सिंगल प्रेग्नेंसी से अलग होती है। इस दौरान कुछ खास परेशानियां हो सकती हैं-
ट्विन प्रेग्नेंसी में गैस्टेशनल डायबिटीज होने का खतरा बढ़ जाता है। इस दौरान कमजोरी अधिक हो सकती है। प्रसव के बाद ब्लीडिंग का खतरा भी ज्यादा रहता है। ट्विन प्रेग्नेंसी के अधिकतर मामलों में डिलिवरी के लिए सी-सेक्शन की जरूरत पड़ती है। प्रीमैच्योर बर्थ की आशंका अधिक होती है। इसके अलावा गर्भ पर अधिक भार के कारण शरीर में दर्द हो सकता है।

ट्विन प्रेग्नेंसी में एक से अधिक बार चेकअप की जरूरत होती है ताकि मां और बच्चे के स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा सके। इसमें सबसे बड़ी समस्या यह आती है कि कई बार एक बच्चा कमजोर होता है और दूसरा स्वस्थ। ट्विन प्रेग्नेंसी में हर चौथे सप्ताह में चेकअप अवश्य कराएं। जैसे-जैसे प्रसव का समय नजदीक आता है डॉक्टर कुछ टेस्ट्स और अल्ट्रासाउंड कराने के लिए कह सकते हैं। ट्विन प्रेग्नेंसी में वजन अधिक बढ़ जाता है और यह बच्चे के विकास के लिए जरूरी भी होता है।

इस दौरान रखें स्वास्थ्य का खयाल

- यदि किसी का वजन औसत है तो गर्भावस्था के दौरान प्रतिदिन सामान्य से लगभग 600 अतिरिक्त कैलरीज की जरूरत पड़ती है। कितनी कैलरी लेना होगी यह वजन, जरूरत और दिनचर्या पर निर्भर करता है।
- पोषक तत्वों का सेवन करें। फॉलिक एसिड, कैल्शियम, आयरन, प्रोटीन और दूसरे आवश्यक पोषक पदार्थों का सेवन अवश्य किया जाना चाहिए।
- गर्भावस्था में पर्याप्त पानी पीना जरूरी है ताकि शरीर में जल का सही स्तर बना रहे।
- उपवास या व्रत से बचें और भूखे पेट न रहें। ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर के अलावा बीच-बीच में हेल्दी स्नैक्स लें।
- बेड रेस्ट की सलाह खास जटिलताएं होने पर ही दी जाती हैं। आमतौर पर डॉक्टर सामान्य कार्य करने की सलाह देते हैं इसलिए बिना डॉक्टर की सलाह के बेडरेस्ट न करें। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि बेड रेस्ट से प्रीमैच्योर डिलिवरी का खतरा बढ़ता है।
- अगर वजन तेजी से बढ़ रहा हो या तेज सिरदर्द हो तो डॉक्टर को दिखाएं।
- वजन ज्यादा होने से पैरों में सूजन आती है, इसलिए पैर लटकाकर देर तक न बैठें।
- नमक का सेवन कम करें ताकि ब्लडप्रेशर अधिक न बढ़े।

हर एक के लिए फुर्सत के मायने अलग-अलग होते हैं। जैसे कुछ लोगों के लिए फुर्सत या छुट्टी का मतलब है बस घर में बैठे-बैठे कुछ करते रहना। एक-दो दिन अगर कहीं शनिवार-रविवार से जुड़े मिल जाएं तब तो कहने ही क्या! वे इतनी-सी छुट्टी पाकर भी बेहिसाब खुश होते हैं। अव्वल तो ऐसी छुट्टियों का इंतजार वे महीनों पहले से कर रहे होते हैं और उसी हिसाब से अपने कार्यक्रम सुनिश्चित कर ट्रेन या प्लेन टिकट से लेकर निकट या दूर के किसी शहर या कस्बे में होटल तक की बुकिंग करवा चुके होते हैं। कुछ लोग यह काम ग्रुप में करते हैं तो कुछ अकेले और कुछ परिवार के साथ।

छुट्टियों का लें भरपूर आनंद

कुछ-कुछ यानी कभी किसी कमरे को नए सिरे से सजाना तो कभी कोई किताब पढ़ना, बहुत दिनों से अधूरी पड़ी किसी पेंटिंग को पूरा करने की कोशिश या हारमोनियम-तबला लेकर बैठ जाना, किसी भूली-बिसरी धुन पर सिर धुनना और कोई सिरा पकड़ में आ जाने पर उसी की मस्ती में खो जाना।। ऐसा कुछ भी या इससे भी भिन्न कुछ और, बस घर में बैठे-बैठे करते रहना। कुछ लोगों के लिए फुर्सत का मतलब चार दीवारों के दायरे से थोड़ा आगे बढ़कर बाहर निकलकर कुछ करना होता है। यह किसी बाजार या मॉल में जाकर शॉपिंग करना हो सकता है, किसी अजीज दोस्त या रिश्तेदार से मिलना हो सकता है, कोई हॉबी क्लास ज्वॉइन करना हो सकता है या फिर कुछ और.। कुछ लोग योग या ध्यान के शिविर में चले जाते हैं, यानी फुर्सत पाते ही हर कोई अपनी पसंद का काम ढूंढ निकालता है।

फुर्सत यानी कुछ और

लेकिन कुछ लोगों के लिए फुर्सत का मतलब यह सब भी नहीं होता। उनके लिए फुर्सत का मतलब सिर्फ छुट्टियां होता है। छुट्टियां अगर थोड़ी लंबी हों यानी हफ्ते-दो हफ्ते का समय मिल जाए तो बहुत अच्छा, वरना एक-दो दिन की त्योहारी छुट्टी ही मिले तो भी चलेगा। एक-दो दिन अगर कहीं शनिवार-रविवार से जुड़े मिल जाएं तब तो कहने ही क्या! वे इतनी-सी छुट्टी पाकर भी बेहिसाब खुश होते हैं। अव्वल तो ऐसी छुट्टियों का इंतजार वे महीनों पहले से कर रहे होते हैं और उसी हिसाब से अपने कार्यक्रम सुनिश्चित कर ट्रेन या प्लेन टिकट से लेकर निकट या दूर के किसी शहर या कस्बे में होटल तक की बुकिंग करवा चुके होते हैं। कुछ लोग यह काम ग्रुप में करते हैं तो कुछ अकेले और कुछ परिवार के साथ। हफ्ते-दो हफ्ते की छुट्टियां तो ऐसे लोगों के लिए बड़ी नेमत होती हैं। और हां, छुट्टियां वाकई नेमत होती हैं। ये आपको सिर्फ मानसिक सुकून ही नहीं देती, आपकी रचनात्मक क्षमता को बढ़ाती हैं और अर्थव्यवस्था के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। छुट्टियों को हमारे यहां अधिकतर सैर-सपाटे से जोड़कर देखा जाता है। इससे मनोदशा में बदलाव तो होता ही है, देश-विदेश की सभ्यता और संस्कृति की जानकारी भी मिलती है। लौटकर लोग खुद को ज्यादा ऊर्जावान महसूस करते हैं और नए उत्साह के साथ अपने रूटीन काम में जुट जाते हैं। जरूरी किस्म की छोटी या व्यावसायिक यात्राओं की बात अलग है, लेकिन आमतौर पर यह देखा जाता है कि लोग लंबी यात्राओं पर पूरे परिवार के साथ ही जाना चाहते हैं। इसकी कई वजहें हैं। माना जाता है कि इससे सफर का मजा बढ़ जाता है। पूरे परिवार के एक साथ कहीं पर्यटन पर जाने से समग्रता में बजट भी संतुलित रहता है।

रिश्तों में जान

हम भारतीयों के लिए छुट्टियां केवल सेहत बनाने, कुछ सीखने, ज्ञान बढ़ाने और मौज-मस्ती करने ही नहीं, अपने मूल और रिश्तों को सहेजने का भी एक साधन है। मनोवैज्ञानिक विचित्रा दर्गन आनंद कहती हैं-'अब लोगों को इस बात का एहसास होने लगा है कि फैमिली हॉलिडे अपने रिश्तों को रिवाइव करने का अच्छा माध्यम हैं।' इसलिए साल में कम से कम एक बार लोगों को परिवार छुट्टियां बिताने का समय जरूर निकालना चाहिए। यह जरूरी नहीं है कि इसके लिए आपकी छुट्टियां बहुत लंबी हों या हर बार ढेर सारे पैसे खर्च करके आप विदेश यात्रा पर ही जाएं क्योंकि ऐसी छुट्टियों में डेस्टिनेशन के बजाय परिवार के साथ बिताए जाने वाले खुशनुमा पलों की ज्यादा अहमियत होती है।

सबके साथ घूमने का मजा ही कुछ और आज की जीवनशैली इतनी व्यस्त है कि एक ही छत के नीचे रहने के बावजूद लोगों को अपने परिवार के साथ फुर्सत के दो-चार पल बिताने का भी मौका नहीं मिलता। ऐसे में फैमिली हॉलिडे के बहाने उन्हें अपने परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम बिताने का मौका मिलता है। वैसे भी छुट्टियों में पूरे परिवार के साथ घूमने-फिरने का अपना अलग ही मजा है, पर ऐसी यात्रा की तैयारी करते समय सबकी रुचियों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है।

चाहते क्या हैं

छुट्टियों पर जाने से पहले यह तय करें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। यह फैसला किसी अन्य के दबाव या प्रभाव में नहीं होना चाहिए। अपनी पसंदीदा गतिविधि के अनुसार सही जगह का चुनाव करें। इसके लिए पहले से कार्यक्रम तय करें और बजट बनाएं।

तय हो योजना

आप अपने रिलेक्सेशन के लिए जो कुछ भी करना चाहते हों, उसके लिए एक-एक दिन की पूरी योजना सुनिश्चित कर लें। योजना तय करते समय ध्यान भी रखें कि जरूरत के मुताबिक थोड़ी ढील की गुंजाइश भी हो। बहुत टाइट शेड्यूल भी तनाव का कारण बन जाता है और छुट्टियों का मजा किरकिरा कर देता है।

जरूरी है जानकारी

कहते हैं आप जो कुछ भी करें उसकी पूरी जानकारी आपको होना चाहिए। इसी कड़ी में सबसे महत्वपूर्ण है सैर-सपाटा। आप जहां जाएं उस स्थान के बारे में इंटरनेट या पत्रिकाओं की मदद लेते हुए कई जरूरी जानकारियां एकत्रित कर लें ताकि आपको कोई दिक्कत न हो।

छोटे बजट में

अगर आप फुर्सत के पलों का लुत्फ घुमक्कड़ी में तलाशते हैं और बजट आपको दूर देश जाने की इजाजत नहीं देता तो जरूरी नहीं कि आप जबरिया बजट खींचतान कर परेशानी मोल लें। आपके देश में भी देखने-जानने के लिए बहुत कुछ है। इन जगहों पर पर्यटन आप पूरे परिवार के साथ छोटे बजट में कर सकते हैं।

तैयारी पहले से

लास्ट मिनट पैकिंग छुट्टियों के आनंद में सबसे बड़ी बाधा होती है। क्या ले जाना है और क्या नहीं, इसकी लिस्ट पहले ही बना लें। यह सही है कि बहुत बोझ दिक्कत का सबब होता है, लेकिन जरूरी चीजों का छूट जाना भी मुश्किल पैदा कर सकता है।

तनाव को अलविदा

ऐसा कुछ भी जो आपके लिए तनाव का कारण हो और आपको रोजमर्रा रूटीन में बंधे रहने का एहसास दिलाए, उसे किनारे करें। यह मोबाइल या इंटरनेट भी हो सकता है और कुछ दोस्त, परिचित या रिश्तेदार भी। दैनिक जीवन के तनाव साथ लेकर न चलें।

सहज रहें

छुट्टियों का असली लुत्फ रिलेक्स होने में है और रिलेक्सेशन मिलता है सहजता से। ऐसा कुछ भी जो सहज होने में बाधक बने, उससे दूर ही रहें तो ही ले सकेंगे पूरा मजा। अगर कोई चीज या किसी की गतिविधि आपको पसंद न आए तो उससे दूर हट जाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्रेया घोषाल का एक्स अकाउंट हुआ हैक, फैंस को दी सतर्क रहने की चेतावनी

मुंबई । मशहूर गायिका श्रेया घोषाल ने अपने प्रशंसकों को आगाह किया है कि उनका एक्स अकाउंट 13 फरवरी से हैक हो गया है। उन्होंने फैंस से आग्रह किया कि वे उनके अकाउंट से किए गए किसी भी पोस्ट, मैसेज या लिंक पर भरोसा न करें और न ही उन पर क्लिक करें। शनिवार को इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक पोस्ट में श्रेया ने बताया कि कई कोशिशों के बावजूद वह अपना अकाउंट रिकवर नहीं कर पाई हैं। उन्होंने लिखा, सभी प्रशंसकों और दोस्तों को नमस्कार। मेरा एक्स अकाउंट 13 फरवरी से हैक हो गया है। मैंने एक्स टीम से संपर्क करने की हर संभव कोशिश की, लेकिन सिर्फ कुछ ऑटो-जवाब ही मिले, कोई मदद नहीं मिली। अब मैं अपने अकाउंट में लॉगिन भी नहीं कर सकती और न ही इसे डिलीट कर सकती हूं। कृपया उस अकाउंट से आने वाले किसी भी लिंक पर क्लिक न करें और न ही किसी मैसेज पर भरोसा करें। ये सभी फर्जी और धोखाधड़ी वाले लिंक हैं। अगर मेरा अकाउंट वापस मिल जाता है और सुरक्षित होता है, तो मैं खुद वीडियो के जरिए इसकी जानकारी दूंगी। इस बीच, श्रेया हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एंटी-ओबेसिटी (मोटापा विरोधी) अभियान का समर्थन करने को लेकर चर्चा में रही हैं। श्रेया ने एक वीडियो साझा कर कहा, हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एंटी-ओबेसिटी अभियान शुरू किया है। यह बहुत जरूरी है, क्योंकि हमारा देश तेजी से आगे बढ़ रहा है और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। इसके लिए हमें अपनी सेहत पर ध्यान देना होगा। आइए, सही खान-पान अपनाने की शपथ लें, तेल और चीनी का सेवन कम करें, पोषण से भरपूर और मौसमी भोजन खाएं, और बच्चों को भी पौष्टिक आहार दें। अच्छी सेहत ही असली संपत्ति है। इसलिए, छोटे-छोटे बदलाव करके हम देश में बड़ा असर ला सकते हैं। मुझे इसका हिस्सा बनने पर गर्व है, जो हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में एक संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा दे रहा है। आइए, एक स्वस्थ भारत की ओर कदम बढ़ाएं, क्योंकि यही हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी विरासत होगी। गौरतलब है कि 24 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभिनेता मोहनलाल, आर. माधवन, निरहुआ और गायिका श्रेया घोषाल को इस अभियान में शामिल होने के लिए नामांकित किया था।

पुणे रेप केस का आरोपी गिरफ्तार , डिप्टी सीएम अजित बोले- ऐसी घटनाएं कहीं भी नहीं होनी चाहिए

पुणे। पुणे रेप केस के आरोपी दत्तात्रेय रामदास गाडे को पुलिस ने शुक्रवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। उसकी गिरफ्तारी के लिए ड्रोन, खोजी कुत्तों, 13 पुलिस टीमों और खुफिया विभाग की मदद ली गई। आरोपी पुणे जिले के शिरुर तहसील के गुनात गांव के पास धान के खेत में छिपा हुआ था। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने इस घटना पर बयान दिया और कहा, कि गुरुवार तक लोग सवाल उठा रहे थे कि आरोपी की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई। हमने उसे पकड़ने के लिए ड्रोन तकनीक का उपयोग किया। वह धान के खेत में छिपा था और उसकी स्थिति ऐसी थी कि उसने आत्महत्या करने की भी कोशिश की। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सख्त कानून लागू किए जाएंगे और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आरोपी को थर्मल इमेजिंग कैमरों से लैस ड्रोन की मदद से ट्रैक किया। इससे हवाई तस्वीरें प्राप्त हुईं, जिससे पता चला कि आरोपी खेत में छिपा है। आधी रात को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर पुणे सत्र न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे 12 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

बिहार में बर्ड फ्लू से कई कौओं की मौत, प्रशासन ने जारी किए सतर्कता के निर्देश

पटना । बिहार के जहानाबाद जिले में हाल ही में हुए असामान्य घटना ने लोगों में चिंता और हलचल मचा दिया है। 18 फरवरी को कई कौओं की मौत का कारण बताया जा रहा है बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा एच5एन1)। जिला प्रशासन ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए सतर्कता के निर्देश जारी किए हैं। आधिकारिकों का कहना है कि कोलकाता स्थित आरडीडीएल संस्थान की जांच रिपोर्ट में मृत कौओं में एच5एन1 वायरस की पुष्टि हुई है। जिले के एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट ने कहा कि प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने और बीमार या मृत पक्षियों से दूर रहने की सलाह दी है। इस परिस्थिति को संभालने के लिए परिवारों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है तथा पोल्ट्री फार्मों में सफाई का काम चल रहा है। अगर और मामले सामने आते हैं, तो संक्रमण को रोकने के लिए पक्षियों को मारने का फैसला लिया जा सकता है। संबंधित अधिकारियों ने बात करते हुए कहा कि घरेलू मुर्गियों में भी संक्रमण का पता चलेगा। प्रभावित क्षेत्रों में दी गई सोडियम हाइपोक्लोराइट की छीड़काव की गई है ताकि वायरस का फैलाव रोका जा सके। विभिन्न उद्यमी इकाइयों और लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा की देखभाल के लिए सरकार ने सभी जरूरी कदम उठाने की पुष्टि की है। इस अचानक घटना से स्थानीय जनता में चिंता और अस्त-व्यस्ति महसूस हो रही है और प्रशासन ने स्थिति का त्वरित नियंत्रण करने के लिए संबंधित कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

कमजोर पहाड़ी पर बर्फ का लोड बढ़ने और निर्माण से हो रहा हिमस्खलन!

नई दिल्ली। उत्तराखंड में कमजोर पहाड़ी पर बर्फ का लोड बढ़ने से हिमस्खलन होता है। हिमस्खलन के बाद चट्टान से बर्फ समेत मलमा, बोल्डर ढलान से नीचे गिरते हैं। ज्यादातर 3000 से 3500 मीटर से की ऊंचाई पर हिमस्खलन होता है।

दिल्ली में महिलाओं के आने वाले हैं अच्छे दिन, इस दिन से मिलना शुरू हो जाएंगे 2,500 रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में महिलाओं को 8 मार्च तक भाजपा सरकार के वित्तीय सहायता कार्यक्रम के तहत 2,500 रुपये प्रति माह मिलना शुरू हो जाएगा। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। इससे पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी इसका संकेत दिया था। यह पहल, जो भाजपा का एक महत्वपूर्ण अभियान प्रतिज्ञा थी, महिलाओं को सीधे वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है। इससे पहले, आप सरकार ने महिला सम्मान योजना शुरू की थी, जिसमें 18 वर्ष से अधिक उम्र की पात्र महिलाओं को 1,000 रुपये मासिक प्रदान किए जाते थे, जिसे भविष्य में बढ़ाकर 2,100 रुपये करने की योजना है।

दिल्ली महिला एवं बाल विकास विभाग को महिलाओं को 2,500 रुपये मासिक देने, गर्भवती माताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने और गरीब परिवारों को उनकी बेटियों की शादी के लिए सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से पहल के लिए गुरुवार तक प्रस्ताव तैयार करने का काम सौंपा गया है। दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि महिला सम्मान योजना को महिला समृद्धि योजना के रूप में पुनः ब्रांडेड किया जा रहा है, जिसके लाभार्थियों को अब प्रति माह 2,500 रुपये मिलेंगे, जो कि AAP सरकार द्वारा पहले वितरित किए गए 1,100 रुपये से एक महत्वपूर्ण वृद्धि है।

भाजपा सरकार ने सबसे पहले लाडली बहना योजना शुरू की, जिसने राज्य में महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की। तब से पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों ने इसी तरह की योजनाएं लागू की हैं जो महिलाओं के खातों में सीधे नकद जमा प्रदान करती हैं। 19 फरवरी को भाजपा विधायक दल की नेता चुनी गईं रेखा गुप्ता ने महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता को प्राथमिकता देने के निरंतर महत्व पर जोर दिया। दिल्ली चुनावों की अगुवाई के दौरान, AAP ने अपने प्रमुख वादों में से एक के रूप में 2,100 रुपये की मासिक सहायता प्रदान करने का वादा किया था।

दिल्ली को इस महीने 1,000 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी: परिवहन मंत्री पंकज सिंह

दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा है कि इस महीने राष्ट्रीय राजधानी को 1,000 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी। सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि दिल्ली का परिवहन विभाग वर्तमान में 235 करोड़ रुपये के घाटे में है। मंत्री ने कहा कि सरकार एक योजना पर काम कर रही है और उसका लक्ष्य एक साल के भीतर इस क्षेत्र को मुनाफे में लाना है। सिंह ने कहा, ''इस महीने हम दिल्ली में 1,000 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें लाएंगे।'' दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार में छह कैबिनेट मंत्रियों में शामिल सिंह ने 20 फरवरी को शपथ ली थी। परिवहन, स्वास्थ्य और अन्य विभागों के मंत्री सिंह ने दिल्ली की परिवहन प्रणाली को जनता के लिए अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। सिंह ने कहा, ''हमें सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने की आवश्यकता है ताकि लोगों को निजी वाहनों पर कम निर्भर रहना पड़े। हमारा पहला कदम दिल्ली में इलेक्ट्रिक बसें शुरू करना होगा, उसके बाद परिवहन नेटवर्क को मजबूत करने के लिए और सुधार किए जाएंगे।''

भारत-बांग्लादेश सीमा पर तनाव के बीच हुई झड़प में बीएसएफ जवान घायल

सिपाहीजाला। भारत-बांग्लादेश सीमा पर हालात बिगड़ते जा रहे हैं। त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले में 28 फरवरी को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और घुसपैठियों के बीच झड़प हुई, जिसमें एक बीएसएफ जवान और एक बांग्लादेशी नागरिक घायल हो गया। जानकारी अनुसार घटना शाम 7:30 बजे की है, जब करीब 20 से 25 बांग्लादेशी घुसपैठियों ने बीओपी पुटिया क्षेत्र के पास सीमा स्तंभ (बीपी) 2050/7-एस से भारतीय सीमा में प्रवेश किया। ये घुसपैठिए तस्करी गतिविधियों में शामिल थे। बीएसएफ गश्ती दल ने घुसपैठ रोकने की कोशिश की, लेकिन बदमाशों ने हथियार छीनने की कोशिश की और हमला कर दिया। हालात बेकाबू होते देख, एक बीएसएफ जवान ने आत्मरक्षा में गैर-घातक पंप एक्शन गन (पीएजी) से गोली चलाई। गोली लगने से एक बांग्लादेशी नागरिक घायल हो गया। इस बीच हुई झड़प में बीएसएफ का एक जवान भी घायल हो गया। दोनों ही घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, और अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी।

मुंबई में भी बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई

इसी बीच, मुंबई पुलिस ने अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों पर शिकंजा कसा। डीसीपी डॉ. प्रवीण मुंडे के नेतृत्व में मानखुर्द, वाशी नाका, कलंबोली, पनवेल, ठाणे, कल्याण और मुंब्रा में विशेष तलाशी अभियान चलाया गया। 16 अवैध बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार किए गए। जिनके खिलाफ पहले रिकॉर्ड नहीं था, उन पर नए केस दर्ज किए गए, जबकि पुराने अपराधियों के मामलों में नए आरोप जोड़े गए।

उद्धव के महाकुंभ नहीं जाने के निकाले जा रहे सियासी मायने

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने जिस विरासत को संभाला है वो कट्टर हिंदुत्व की छवि वाली है। हिंदुओं की संस्कृति और परंपराओं के लिए लगातार लड़ते रहे हैं। लेकिन महाकुंभ में तो विपक्ष से अखिलेश यादव को छोड़ कर कोई भी बड़ा नेता नहीं गया है, लेकिन निशाने पर उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र की राजनीति की वजह से आये हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे से लेकर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले तक। रामदास अठावले ने तो उद्धव ठाकरे के साथ साथ राहुल गांधी को भी निशाना बनाया है - लेकिन, राहुल गांधी को निशाना बनाये जाने और उद्धव ठाकरे को टारगेट किये जाने में बड़ा फर्क भी तो है।

उद्धव ठाकरे अपनी सरकार के 100 दिन पूरे होने पर पूरे लाव लश्कर के साथ अयोध्या गये हुए थे, लेकिन ये कैसे भूल जाते हैं कि उनके महाकुंभ न जाने पर सवाल नहीं उठेंगे। क्योंकि, मुख्यमंत्री तो वो महाविकास आघाड़ी सरकार के ही थे, जिसमें राहुल गांधी की कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी भी शामिल थी। चूंकि सवाल एकनाथ शिंदे ने उठाया है, इसलिए उद्धव ठाकरे ने जवाब भी उनको ही दिया है, ये बात अलग है कि दोनो में से किसी ने भी सीधे सीधे एक दूसरे का नाम नहीं लिया है। अपने हिंदुत्व पर सवाल उठाये जाने पर उद्धव ठाकरे ने भी जवाब दे दिया है, 'गंगा में नहाने से कोई पाप नहीं धुलता है। एकनाथ शिंदे ने महाकुंभ में शामिल नहीं होने पर शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे को लेकर कहा था कि वो खुद को हिंदू कहलाने से डरते हैं। मीडिया के पूछने पर एकनाथ शिंदे ने कहा, जो लोग महाकुंभ में शामिल नहीं हुए, उनसे पूछा जाना चाहिये कि वे हिस्सा क्यों नहीं लियेज कहते रहते हैं कि वे हिंदू हैंज्बाल ठाकरे ने नारा दिया था कि गर्व से कहो हम हिंदू हैं, लेकिन अब वे खुद को हिंदू कहलाने से डरते हैं।

दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में आंधी के साथ बारिश होने की चेतावनी

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली में शुक्रवार से ही आसमान में बादल छाए हुए हैं और हल्की बारिश हुई है। वहीं शनिवार सुबह की शुरुआत भी रिमझिम बारिश से हुई। दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में बारिश होने की चेतावनी मौसम विभाग ने दी है। मौसम में उतार-चढ़ाव जारी है। आईएमडी के मुताबिक दिल्ली का न्यूनतम तापमान गिरकर 17 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है, जबकि अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। कई राज्यों में आंधी तूफान के साथ बारिश भी संभावना जताई है।

आईएमडी ने पूर्वोत्तर भारत, असम और पड़ोसी राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। ऐसा बंगाल की खाड़ी के ऊपर विकसित हो रहे चक्रवाती परिसंचरण के कारण हो रहा है।

अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा जैसे राज्यों में हल्की बारिश होने की संभावना है, साथ ही कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना है। दो मार्च से एक नए पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर पश्चिम भारत को और ज्यादा प्रभावित करने की उम्मीद है।

वहीं मौसम विभाग के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों को भी प्रभावित कर रहा है। इसकी वजह से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में बारिश और बर्फबारी होने की उम्मीद है। वहीं, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और यूपी के कुछ इलाकों में हल्की बारिश की उम्मीद है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है। इसके अलावा पंजाब और हरियाणा में अलग-अलग जगहों पर ओलावृष्टि की भी आशंका है।

वहीं दक्षिणी और मध्य भारत के राज्यों की बात करें तो तमिलनाडु, केरल, महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में बारिश हो सकती है। इनमें से कुछ क्षेत्रों में बाढ़ और भूस्खलन की संभावना के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी है। गंगीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड में हल्की बारिश और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। छत्तीसगढ़ में भी हल्की बारिश हो सकती है।

उमर अब्दुल्ला ने बिजली विभाग को रमजान के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति का निर्देश दिया

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बिजली विभाग को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि रमजान के महीने में सहरी और इफ्तार के समय बिजली कटौती न हो। मुख्यमंत्री ने रविवार से शुरू हो रहे रमजान के महीने के लिए किए गए प्रबंधों की समीक्षा को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। अब्दुल्ला ने इस बात पर जोर दिया कि लोग अपनी निर्वाचित सरकार से यह उम्मीद करते हैं कि इस पाक महीने के दौरान उन्हें किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सरकार इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''चूंकि कल से रमजान का पवित्र महीना शुरू हो रहा है, इसलिए लोगों को पूरी उम्मीद है कि सरकार सभी आवश्यक कदम उठाएगी ताकि इस पवित्र महीने के दौरान उन्हें किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े।'' अब्दुल्ला ने निर्देश दिया, ''लोग चाहते हैं और हमें यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि सहरी और इफ्तार के समय बिजली कटौती न हो। किसी भी आवश्यक कटौती की योजना अच्छी तरह से बनाई जानी चाहिए और उचित समय-सारिणी के अनुसार दिन के समय कटौती की जा सकती है। जहां भी आवश्यक हो, रखरखाव कार्य भी दिन के समय ही किए जाने चाहिए।''

उन्होंने अधिकारियों को व्यवधानों से बचने के लिए सिस्टम संबंधी समस्याओं या दोषपूर्ण ट्रांसफॉर्मर का तुरंत समाधान करने का निर्देश दिया। जलापूर्ति के बारे में अब्दुल्ला ने कहा कि हाल में हुई बर्फबारी और बारिश से स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन उन्होंने घरों में पर्याप्त पेयजल आपूर्ति की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''अल्लाह की कृपा से पिछले कुछ दिनों में हुई बारिश इस संबंध में लाभदायक रही है।''

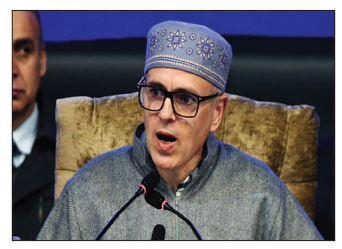

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को साफ-सफाई, खास तौर पर मस्जिदों और धार्मिक स्थलों के आसपास सफाई, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान देने का निर्देश दिया।

शिकायतकर्ता महिला है और उसका हर बयान सत्य मान लेना, यह सही नहीं

-हाईकोर्ट ने कहा- आरोप झूठे तो पुलिस शिकायतकर्ता पर भी कर सकती है कार्रवाई

केरल (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने कहा है कि आपराधिक मामलों, खासकर यौन अपराधों में यह मान लेना कि शिकायतकर्ता का हर बयान सत्य है, तो यह गलत है। कोर्ट ने यह कहा कि वर्तमान समय में ऐसे मामलों में निर्दोष लोगों को फंसाने की प्रवृत्ति बढ़ गई है। न्यायमूर्ति पीवी कुन्हिकृष्णन ने एक महिला कर्मचारी द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे एक व्यक्ति को अग्रिम जमानत देने के दौरान सुनवाई में यह बात कही। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में पुलिस ने आरोपी की शिकायत की जांच नहीं की जिसमें उसने कहा था कि नौकरी से निकाले जाने के बाद महिला ने उसे गाली दी और धमकियां दी थीं।

कोर्ट ने कहा कि एक आपराधिक मामले की जांच का मतलब केवल शिकायतकर्ता के पक्ष की जांच नहीं है, बल्कि आरोपी के मामले की भी जांच की जानी चाहिए। केवल शिकायतकर्ता महिला है यह मान लेना कि उसका हर बयान सत्य है, यह सही नहीं है। पुलिस केवल उसके बयान के आधार पर कार्रवाई नहीं कर सकती है। आरोपी के मामले को भी गंभीरता से जांचना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि आजकल यह प्रवृत्ति बन गई है कि महिलाओं द्वारा पुरुषों पर यौन उत्पीड़न के आरोप झूठे होते हुए भी उन्हें फंसा दिया जाता है। यदि पुलिस यह पाती है कि महिला द्वारा लगाए गए आरोप झूठे थे तो वह शिकायतकर्ता के खिलाफ भी कार्रवाई कर सकती है। ऐसा कानून भी कहता है।

कोर्ट ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति को झूठे आरोपों में फंसाया जाता है तो उसका नाम, समाज में प्रतिष्ठा और स्टेटस को नुकसान हो सकता है। केवल पैसे या मुआवजे से उसे वापस हासिल नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने पुलिस अधिकारियों को सच की जांच में सतर्क और चौकस रहने की सलाह दी, ताकि अपराध मामलों की जांच के दौरान किसी निर्दोष व्यक्ति को सजा या नुकसान न हो।

बता दें महिला ने आरोप लगाया था कि कंपनी के प्रबंधक ने उसके हाथों को यौन उत्पीड़न के उद्देश्य से पकड़ा। वहीं आरोपी ने पुलिस से शिकायत की थी कि महिला ने उसे गाली दी और धमकियां दीं। उन्होंने इस संबंध में एक पेन ड्राइव में महिला की कथित बातें रिकॉर्ड करके पुलिस को सौंपी है। कोर्ट ने कहा कि यह एक ऐसा मामला था जिसमें जांच अधिकारी को आरोपी की शिकायत की भी जांच करनी चाहिए थी। कोर्ट ने आरोपी को पेन ड्राइव जांच अधिकारी के समक्ष पेश करने का आदेश दिया और जांच अधिकारी को निर्देश दिया कि वह उसकी जांच करें। जमानत का आदेश कोर्ट ने आरोपी को 50 हजार रुपए की जमानत राशि और दो सक्षम जमानतदारों के साथ जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। इसके अलावा आरोपी को जांच में सहयोग करने, गवाहों को प्रभावित या डराने की कोशिश न करने और जब भी जांच अधिकारी बुलाए पेश होने का आदेश दिया है।

कमल हासन ने तीन-भाषा नीति पर स्टालिन के रुख का किया समर्थन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में तीन-भाषा नीति को लेकर सियासी गर्मी बढ़ गई है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के इस नीति के विरोध पर अभिनेता और मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) के संस्थापक कमल हासन ने खुलकर समर्थन किया है। हासन ने स्टालिन को तमिलनाडु की रक्षा के लिए मजबूत ढाल बताते हुए उनकी तारीफ की है।

फिल्मी दुनियां के बेहतरीन अभिनेता और अब राजनीतिज्ञ कमल हासन ने दरअसल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, तमिलनाडु, तमिल भाषा और संस्कृति पर कई तरह के दबाव हैं। ऐसे समय में, स्टालिन अपने पूर्ववर्तियों की तरह राज्य की रक्षा के लिए मजबूत ढाल बनकर खड़े हैं। मैं उन्हें बधाई देता हूं। जनता जिंदाबाद!

तीन-भाषा नीति का क्यों कर रहे विरोध

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रस्तावित तीन-भाषा फॉर्मूला का कड़ा विरोध किया है। उनका कहना है कि केंद्र सरकार हिंदी थोपने की कोशिश कर रही है। स्टालिन ने कहा है कि छात्रों पर तीसरी भाषा का बोझ नहीं डालना चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई और उन्नत अनुवाद तकनीक भाषा की बाधाओं को दूर कर सकती है। छात्रों को मातृभाषा (तमिल) और अंग्रेजी पर ध्यान देना चाहिए, ताकि वे विज्ञान और प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता हासिल कर सकें।

स्टालिन ने भाजपा नेताओं पर निशाना साधा और कहा, वे कहते हैं कि उत्तर भारत में चाय, पूरी खरीदने या शौचालय इस्तेमाल करने के लिए हिंदी जरूरी है। लेकिन एआई के युग में किसी भाषा को थोपने की कोई जरूरत नहीं है।

वहीं तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने स्टालिन की दो-भाषा नीति (तमिल और अंग्रेजी) की आलोचना की है और कहा कि राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने की मांग बढ़ रही है। राजभवन की ओर से एक्स पर जारी बयान में कहा गया है, कि तमिलनाडु के युवा महसूस कर रहे हैं कि राज्य की कठोर दो-भाषा नीति के कारण वे पड़ोसी राज्यों के युवाओं की तुलना में अवसरों से वंचित हो रहे हैं। ऐसे में तमिलनाडु में भाषा नीति को लेकर राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच टकराव बढ़ता दिख रहा है। स्टालिन और कमल हासन भाषा थोपने का विरोध कर रहे हैं।

देशभर की अदालतों में 5.2 करोड़ मामले लंबित: न्याय प्रणाली के लिए बड़ी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की अदालतों में लंबित मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे न्याय प्रक्रिया धीमी हो रही है और न्याय मिलने में देरी हो रही है। देश की न्यायपालिका तीन स्तरों पर काम करती है-सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और जिला अदालतें। इन अदालतों में मामले मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं- सिविल और आपराधिक। वर्ष 2025 में, देशभर में 5.2 करोड़ (52 मिलियन) से अधिक मामले लंबित हैं, जिनमें से 1.8 लाख से अधिक मामले 30 साल से अधिक समय से लंबित हैं। सबसे अधिक 4.5 करोड़ मामले (85प्रतिशत) सिर्फ जिला अदालतों में लंबित हैं।

हालांकि मामलों के निपटारे में तेजी लाने के लिए सरकार और न्यायपालिका विभिन्न उपायों पर विचार कर रही हैं, जिनमें डिजिटल कोर्ट सिस्टम, वैकल्पिक विवाद समाधान, लोक अदालतों को बढ़ावा देना, और न्यायधीशों की संख्या में वृद्धि शामिल हैं। हालांकि, जब तक प्रभावी कदम नहीं उठाए जाते, तब तक न्याय मिलने में देरी बनी रहेगी और आम जनता को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। भारत में लंबित मामलों की संख्या दुनिया में सबसे अधिक है। कई न्यायाधीशों और सरकारी अधिकारियों ने इसे भारतीय न्याय प्रणाली के सामने सबसे बड़ी चुनौती करार दिया है। नीति आयोग की 2018 की रिपोर्ट के अनुसार, यदि उसी गति से मामलों का निपटारा होता रहा, तो पूरा बैकलॉग खत्म करने में 324 साल लग सकते हैं। वर्तमान में न्याय मिलने में हो रही देरी के गंभीर परिणाम सामने आ रहे हैं। 2022 में बिहार की एक अदालत ने एक व्यक्ति को सबूतों के अभाव में हत्या के आरोप से बरी कर दिया, लेकिन वह पहले ही 28 साल जेल में बिता चुका था। देश में लंबित मामलों में भूमि और संपत्ति विवाद सबसे बड़ा हिस्सा रखते हैं। कुल लंबित मामलों में से 20 प्रतिशत भूमि और संपत्ति से जुड़े हुए हैं, जो कि सभी सिविल मामलों का 66 प्रतिशत है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट द्वारा निपटाए गए 25 प्रतिशत मामले भूमि विवादों से जुड़े होते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

आठ दिवसीय दौरे पर कल दिल्ली पहुंचेंगी बेल्जियम की राजकुमारी

ब्रसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड शनिवार को आठ दिवसीय दौरे पर दिल्ली पहुंचेंगी। इस दौरान वह एक उच्चस्तरीय आर्थिक मिशन का नेतृत्व करेंगी। इसका उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य, विज्ञान, परिवहन और रसद के प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाना है। बेल्जियम के राजदूत डिडिएर वेंडरहासेल्ट ने कहा कि मिशन का फोकस कई क्षेत्रों में भारत-बेल्जियम आर्थिक जुड़ाव का विस्तार करना होगा। मिशन में बेल्जियम की प्रमुख कंपनियों सहित 326 आधिकारिक प्रतिनिधि और उद्योग विशेषज्ञ शामिल होंगे।

पोप फ्रांसिस की सेहत में सुधार जारी : वेटिकन

रोम, एजेंसी। वेटिकन ने बृहस्पतिवार को बताया कि डबल निमोनिया से पीड़ित पोप फ्रांसिस की सेहत में सुधार हो रहा है। हालांकि, डॉक्टरों ने कहा है कि उन्हें नैदानिक स्थिरता के लिए कुछ और दिनों की आवश्यकता है, इससे पहले कि वे उनकी स्थिति के बारे में अपना पूर्वानुमान बदल सकें। वेटिकन ने एक अपडेट में बताया कि 88 वर्षीय पोप ने बेहतर श्वसन स्थिति के संकेत दिखाए हैं और वे नाक की नली के जरिए दिए जाने वाले ऑक्सीजन को मास्क के साथ बारी-बारी से ले रहे हैं। डॉक्टरों ने लगातार दूसरे दिन कहा है कि फ्रांसिस की हालत गंभीर नहीं है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि फेफड़ों के संक्रमण की जटिलताओं को देखते हुए, उन्हें खतरे से बाहर घोषित करने के लिए कुछ और दिनों की आवश्यकता है। बता दें कि फ्रांसिस 14 फरवरी से रोम के जेमेली अस्पताल में हैं।

आयोवा सीनेट ने लिंग पहचान सुरक्षा को हटाने वाले विधेयक को मंजूरी दी

डेस मोइनेस, एजेंसी। आयोवा सीनेट ने बृहस्पतिवार को एक विधेयक को मंजूरी दी, जो राज्य के नागरिक अधिकार कानून से लिंग पहचान सुरक्षा को हटा देगा। अब यह प्रस्ताव आयोवा सदन में अंतिम मंजूरी के लिए भेजा गया है। यह विधेयक पेश किए जाने के एक सप्ताह बाद ही सीनेट द्वारा पारित किया गया। एलजीबीटीक्यू+ समुदाय के अधिवक्ताओं ने इसका विरोध किया और बार-बार रैलियां कीं। सदन द्वारा इस विधेयक को मंजूरी दिए जाने की संभावना है, जिसके बाद यह गवर्नर किम रेनॉल्ड्स के पास जाएगा, जो लिंग पहचान सुरक्षा को सीमित करने के प्रयासों का समर्थन करती हैं। विधेयक आयोवा के नागरिक अधिकार कानून में बदलाव करता है, जो अब नस्ल, रंग, पंथ, लिंग पहचान, लिंग, यौन अभिविन्यास, धर्म, राष्ट्रीय मूल या विकलांगता के आधार पर भेदभाव से बचाता है।

गाजा संघर्ष विराम के अगले चरण पर इस्राइल-हमास के बीच बातचीत शुरू : मिस्र

गाजा, एजेंसी। मिस्र ने कहा कि गाजा संघर्ष विराम के अगले चरण पर इस्राइल और हमास के बीच काहिरा में बातचीत शुरू हो गई है। मिस्र की राज्य सूचना सेवा के अनुसार, इस्राइल, कतर और अमेरिका के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को संघर्ष विराम के दूसरे चरण पर गहन चर्चा की है। बयान में कहा गया है, मध्यस्थ गाजा पट्टी में मानवीय सहायता बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा कर रहे हैं, ताकि लोगों की पीड़ा कम हो सके और क्षेत्र में स्थिरता लाई जा सके। बातचीत शुरू होने से यह उम्मीद है कि संघर्ष विराम टूटने से बचा जा सकेगा, जिसका पहला चरण शनिवार को समाप्त हो रहा है। समझौते के अनुसार, संघर्ष विराम तब तक प्रभावी रहेगा जब तक दूसरे चरण की बातचीत चल रही है।

मैक्सिकन ड्रग माफिया राफेल कैरो क्विंटेरो अमेरिका प्रत्यर्पित

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मैक्सिको ने ड्रग माफिया राफेल कैरो क्विंटेरो को अमेरिका प्रत्यर्पित किया है, जो 1985 में अमेरिकी डीईए एजेंट की हत्या के पीछे था। उसे अमेरिका सरकार द्वारा अनुरोधित 28 कैदियों के साथ अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया है। एक मैक्सिकन अधिकारी ने बृहस्पतिवार को नाम न बताने की शर्त पर कैरो क्विंटेरो के प्रत्यर्पण की पुष्टि की। मैक्सिको के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि बृहस्पतिवार को प्रत्यर्पित किए गए 29 कैदियों पर अन्य अपराधों के अलावा ड्रग तस्करी से संबंधित आरोप हैं। मैक्सिको की सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सभी मैक्सिकन आयातों पर 25त्न टैरिफ लगाने की धमकी को टालने की कोशिश कर रही है, जिसे अगले सप्ताह लगाया जा सकता है। कैरो क्विंटेरो को 2022 में मैक्सिकन बलों द्वारा गिरफ्तार किया गया था।

रोमानिया में दुष्कर्म-तस्करी के आरोपों का सामना कर रहे एंड्रयू टेट अमेरिका पहुंचे

बुखारेस्ट, एजेंसी।
रोमानिया में मानव तस्करी के आरोपों का सामना कर रहे प्रभावशाली भाई एंड्रयू और ट्रिस्टन टेट बृहस्पतिवार को अमेरिका पहुंचे। अधिकारियों ने इन पर लगे यात्रा प्रतिबंध हटा दिए हैं। दोनों भाइयों के ऑनलाइन लाखों अनुयायी हैं। ये भाई फ्लोरिडा के फोर्ट लॉडरडेल में दोपहर के करीब पहुंचे। एंड्रयू और ट्रिस्टन टेट, जो अमेरिकी-ब्रिटिश नागरिक हैं, को 2022 के अंत में गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप है कि वे एक आपराधिक गिरोह का हिस्सा हैं, जो महिलाओं को रोमानिया में फुसलाकर लाता था।

ट्रंप के फैसलों को अदालत ने ठहराया गलत, जज ने कहा- अस्थायी कर्मियों की सामूहिक बर्खास्तगी गैरकानूनी

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। सैन फ्रांसिस्को में एक संघीय न्यायाधीश के अनुसार प्रोबेशन पर रहने वाले कर्मचारियों कीसामूहिक बर्खास्तगी गैरकानूनी थी। अदालत के इस फैसले से श्रमिक संघों और संगठनों के गठबंधन को कुछ अस्थायी राहत मिली है। इन संगठनों ने ट्रम्प प्रशासन की ओर से संघीय कार्यबल में बड़े पैमाने पर कटौती को रोकने के लिए मुकदमा दायर किया गया था। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को के जिला न्यायाधीश विलियम अलसुप ने कार्मिक प्रबंधन कार्यालय (ओपीएम) को आदेश दिया कि वह कुछ संघीय एजेंसियों को सूचित करे कि उसके पास रक्षा विभाग सहित प्रोबेशन पर काम कर रहे कर्मियों को बर्खास्त करने का आदेश देने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, ओपीएम को किसी भी कानून के तहत अपने अलावा किसी अन्य कर्मचारी को नौकरी पर रखने या निकालने का कोई अधिकार नहीं है। अलसुप ने पिछले सप्ताह संगठन की ओर से दायर मुकदमे में श्रमिक यूनियनों और गैर-लाभकारी संगठनों द्वारा मांगी गई अस्थायी राहत के तहत यह आदेश दिया।

पांच श्रमिक संघों और गैर-लाभकारी संगठनों ने अदालत से मांगी थी राहत : पांच श्रमिक संघों और पांच गैर-लाभकारी संगठनों की दायर की गई शिकायत उन कई मुकदमों में से एक है, जो संघीय कार्यबल को बहुत कम

करने के प्रशासन के प्रयासों को पीछे धकेलती है, जिसे ट्रम्प ने अधिक कार्यबल वाला और लापरवाह कहा है। हजारों परिवीक्षाधीन कर्मचारियों को पहले ही निकाल दिया गया है और उनका प्रशासन अब सिविल सेवा सुरक्षा वाले करियर अधिकारियों को निशाना बना रहा है।

वादियों का कहना है कि कार्मिक प्रबंधन कार्यालय के पास परिवीक्षाधीन कर्मचारियों की नौकरी समाप्त करने का कोई अधिकार नहीं है, जो आम तौर पर एक साल से भी कम समय के लिए नौकरी पर होते हैं। उनका यह भी कहना है कि कर्मचारियों के खराब प्रदर्शन के झूठ के आधार पर उन्हें नौकरी से निकाला गया।

सरकार के वकीलों ने कहा- हमने नहीं दिया बर्खास्तगी का आदेश : सरकार के वकीलों का कहना है कि कार्मिक प्रबंधन कार्यालय ने बर्खास्तगी का निर्देश नहीं दिया, बल्कि एजेंसियों से समीक्षा करने और यह निर्धारित करने के लिए कहा कि क्या प्रोबेशन पर चल रहे कर्मचारी आगे की नौकरी के लिए उपयुक्त हैं या नहीं। उनका यह भी कहना है कि परिवीक्षाधीन कर्मचारियों को नौकरी की गारंटी नहीं दी जाती है और केवल उच्चतम प्रदर्शन करने वाले और मिशन-महत्वपूर्ण कर्मचारियों को ही काम पर रखा जाना चाहिए।

संघीय एजेंसियों में लगभग 200,000 परिवीक्षाधीन कर्मचारी हैं- आम तौर पर वे कर्मचारी जो एक साल से भी कम समय के लिए नौकरी पर होते हैं। शिकायत में कहा गया है कि कैलिफोर्निया में लगभग 15,000 कर्मचारी कार्यरत हैं, जो अग्निशमन से लेकर दिग्गजों की देखभाल जैसी सेवाएं प्रदान करते हैं। यूनियनों ने हाल ही में दो अन्य संघीय न्यायाधीशों के साथ इसी प्रकार के मुकदमों में बहस की है, जिसमें संघीय कार्यबल में भारी कटौती करने के ट्रम्प प्रशासन के लक्ष्य को रोकने का प्रयास किया गया था। राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की ओर से नियुक्त डेमोक्रेट अलसुप ने कई हाई-प्रोफाइल मामलों की अध्यक्षता की है और अपनी बेबाक बातों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने पैसिफिक गैस एंड इलेक्ट्रिक की आपराधिक परिवीक्षा की देखरेख की और देश की सबसे बड़ी उपयोगिता को कैलिफॉर्निया के लिए निरंतर खतरा कहा।

पेंटागन के आदेशों के तहत अब ट्रांसजेंडर सैनिकों की पहचान जारी

पेंटागन, एजेंसी। अमेरिका में सैन्य सेवाओं को 30 दिन का समय दिया गया है ताकि वे तय कर सकें कि ट्रांसजेंडर सेवा सदस्यों की पहचान कैसे की जाएगी और उन्हें सेना से हटाने के लिए क्या प्रक्रिया अपनाई जाएगी। यह एक चुनौतीपूर्ण काम है, जिसमें सैनिकों को खुद रिपोर्ट करने या अपने सहकर्मियों की जानकारी पर निर्भर रहना पड़ सकता है। रक्षा विभाग के नेताओं को बृहस्पतिवार को एक ज्ञापन भेजा गया, जिसमें पेंटागन ने एक मुकदमे के जवाब में सेवाओं को 26 मार्च तक उन सैनिकों की पहचान करने का आदेश दिया है जो लिंग डिस्फोरिया से पीड़ित हैं या उनका उपचार चल रहा है। इसके बाद उन सैनिकों को सेवा से हटाने के लिए 30 दिन का समय होगा। यह आदेश राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के शुरुआती दिनों में हस्ताक्षरित कार्यकारी आदेश का विस्तार है, जिसमें ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को सेना में सेवा करने से रोकने के कदम उठाए गए थे। इस निर्देश को अदालत में चुनौती दी गई है।

उत्तर कोरिया ने क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया, अमेरिका की धमकी के बाद उठाया कदम

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को एक बयान में कहा है कि उन्होंने क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया। यह

परीक्षण उत्तर कोरिया ने अपनी परमाणु रोधी क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए किया है। उत्तर कोरिया ने कहा है कि अमेरिकी धमकी के बाद उन्होंने ये कदम उठाया है। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया केसीएनए ने बताया कि उनके नेता किम जोंग उन ने भी मिसाइल परीक्षण का निरीक्षण किया। उत्तर कोरिया के अनुसार, यह परीक्षण बुधवार को देश के पश्चिमी तट पर किया गया। यह इस साल उत्तर कोरिया का चौथा मिसाइल परीक्षण है और अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से दूसरा मिसाइल परीक्षण है। केसीएनए ने कहा कि यह देश के दुश्मनों को पैगाम है, जो हमारे सुरक्षा वातावरण का गंभीर रूप से उल्लंघन कर रहे हैं और संघर्ष को बढ़ा रहे हैं। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने मिसाइल परीक्षण के नतीजों पर संतोष जताया और कहा कि सेना को युद्ध के लिए तैयार रहने और साथ ही अपने परमाणु हथियारों को भी तैयार रखने की जरूरत है।

अमेरिका पर लगाया था उकसावे की कार्रवाई करने का आरोप : बीते शनिवार ही उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया था कि अमेरिका और इसके सहयोगी देश उत्तर कोरिया के खिलाफ उकसावे वाली कार्रवाई कर रहे हैं। उत्तर कोरिया ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त युद्धाभ्यास पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में तीन बार उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन से मुलाकात की थी। अब दूसरे कार्यकाल में भी ट्रंप ने किम जोंग उन से मिलने की इच्छा जाहिर की है। हालांकि अभी तक उत्तर कोरियाई नेता की तरफ से सीधे तौर पर ट्रंप के प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है और उत्तर कोरिया द्वारा लगातार अमेरिका के खिलाफ आक्रामक रुख बरकरार रखा है। किम जोंग उन पर रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद के लिए अपने सैनिक भेजने के आरोप लग रहे हैं।

फिलीपींस में स्कूबा डाइविंग के दौरान दो रूसी पर्यटकों की मौत

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में स्कूबा डाइविंग के दौरान हुए हादसे में दो रूसी पर्यटकों की मौत हो गई। हादसे में दो अन्य रूसी पर्यटक अपनी जान बचाने में कामयाब रहे। हादसे में मारे गए दोनों रूसी पर्यटकों के शव बरामद हो गए हैं, जिनमें से एक की मौत डूबने की वजह से हुई, जबकि एक पर्यटक की मौत शार्क मछली के हमले में हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिलीपींस के बतंगास प्रांत में स्थित वेर्दे द्वीप स्कूबा डाइविंग के लिए प्रसिद्ध है। फिलीपींस के तटरक्षक बल ने बताया कि रूस के चार पर्यटक वेर्दे द्वीप पर स्कूबा डाइविंग के लिए पहुंचे थे। चारों पर्यटकों ने फिलीपींस के एक इंस्ट्रक्टर के साथ वेर्दे द्वीप के पानी में स्कूबा डाइविंग की थी। जब पांचों पानी के अंदर थे, तभी एक तेज बहाव में सभी लोग बह गए। दो पर्यटक और इंस्ट्रक्टर किसी तरह पानी की सतह पर पहुंचे और अपनी नौका में पहुंचने में सफल रहे। दो लापता पर्यटकों की तलाश में राहत और बचाव अभियान चलाया गया। जिसमें एक पर्यटक का शव पानी पर तैरता मिला। इस पर्यटक की मौत की वजह डूबना बताया जा रहा है। वहीं एक पर्यटक का शव क्षत विक्षिप्त हालत में मिला और उसके चारों तरफ शार्क मछली तैरती मिलीं।

जिसने हसीना सरकार गिराई, अब उसी की कुर्सी पर नजर; बांग्लादेश में नई पार्टी का ऐलान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की सियासत में एक बड़ा उलटफेर होने जा रहा है। जिस आंदोलन कारियों ने कभी शेख हसीना सरकार के खिलाफ संघर्ष की अगुवाई की थी, वही अब खुद सियासी मैदान में उतर रहे हैं। राष्ट्रीय नागरिक कमेटी और छात्र आंदोलन के संयुक्त प्रयास से बांग्लादेश में एक नए राजनीतिक दल राष्ट्रीय नागरिक पार्टी (एनसीपी) के गठन की आधिकारिक घोषणा की गई है।

इस नई पार्टी की कमान नाहिद इस्लाम को सौंपी गई है, जो अभी हाल ही में अंतरिम सरकार से इस्तीफा देकर बाहर आए हैं। उन्हें पार्टी का मुख्य संयोजक बनाया गया है, जबकि राष्ट्रीय नागरिक कमेटी के सदस्य सचिव अख्तर हुसैन को महासचिव का पद दिया गया है। नासिरुद्दीन पाटवारी मुख्य संयोजक होंगे, जबकि सामंथा शारमिन वरिष्ठ संयुक्त संयोजक की भूमिका निभाएंगी। इसके अलावा, अब्दुल हन्नान माशूद, हसनात अब्दुल्ला, सारजिस आलम और सालेहुद्दीन सिफात को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

यूनुस से है कनेक्शन बांग्लादेश की राजनीति में यह सवाल गूंजने लगा है कि इस नई पार्टी के पीछे क्या नोबेल पुरस्कार विजेता और हाल ही में अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार रहे मुहम्मद यूनूस का हाथ है? विपक्षी

दल बीएनपी पहले ही दावा कर चुका है कि यूनुस एक नए राजनीतिक दल की नींव रखने में जुटे हैं। हालांकि, अभी तक इस पार्टी और यूनुस के बीच सीधा कोई संबंध सामने नहीं आया है।

शेख हसीना के लिए नई चुनौती बांग्लादेश में इस नए राजनीतिक दल का उभरना शेख हसीना की पार्टी के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होगा। राष्ट्रीय नागरिक पार्टी की जड़ें उन आंदोलनों में हैं जिन्होंने सत्ताधारी दल के खिलाफ मुखर विरोध किया था। अब देखना दिलचस्प होगा कि यह नया राजनीतिक मोर्चा बांग्लादेश की राजनीति में क्या बड़ा उलटफेर कर सकता है।

चैंपियंस ट्रॉफी में हार से पाक में बवाल, प्रधानमंत्री शरीफ लेंगे ऐक्शन

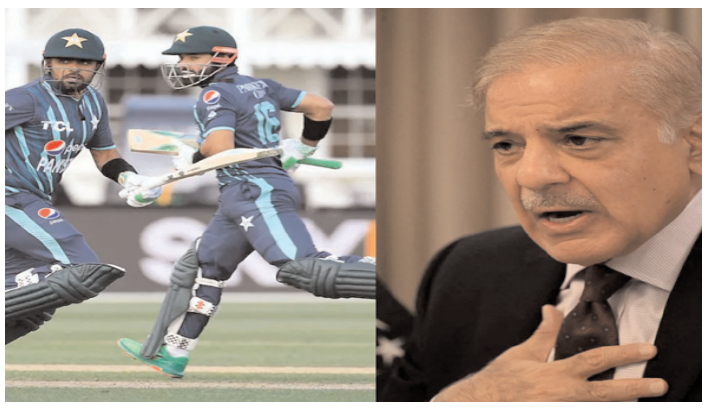

इस्लमाबाद, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान क्रिकेट टीम की शर्मनाक हार ने न सिर्फ फैंस बल्कि हुक्मरानों को भी तिलमिला दिया है। पहले न्यूजीलैंड से 60 रनों की करारी हार और फिर चिर-प्रतिद्वंदी भारत के हाथों 6 विकेट से मिली शिकस्त के बाद पाकिस्तान टीम का सफर खत्म हो गया। रही-सही कसर बारिश ने निकाल दी, जब बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी मैच बिना गेंद फेंके ही धुल गया। अब इस हार के बाद पाकिस्तान की सियासत भी गर्म हो गई है, और नेताओं ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को घेरने की तैयारी कर ली है। प्रधानमंत्री के राजनीतिक और सार्वजनिक मामलों के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने ऐलान किया है कि वो पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ से कहेंगे कि इस मामले को कैबिनेट और पार्लियामेंट में उठाया जाए। इसके अलावा उन्होंने पाकिस्तान के क्रिकेट बोर्ड को सरकारी शिकंजे में लाने की भी पेशकश की है।

पीसीबी पर फूटा गुस्सा : अपने बयान में सनाउल्लाह ने कहा कि पाकिस्तान के घरेलू क्रिकेट की खस्ता हालत किसी से छुपी नहीं, लेकिन पीसीबी में बैठे बड़े अधिकारियों की तिजोरी दिन-ब-दिन मोटी होती जा रही है। राणा सनाउल्लाह ने दावा किया कि पांच-पांच करोड़ रुपये सैलरी लेने वाले मेंटॉर खुद कबूल कर चुके हैं कि उन्हें अपने काम की ही समझ नहीं। ऊपर से पीसीबी के खिलाड़ी और अफसर जिस तरह की लग्जरी एंजॉय कर रहे हैं। ऐसे में पाकिस्तान जैसे कर्ज में डूबे मुल्क को ये सब कैसे बर्दाश होगा। राणा सनाउल्लाह ने पीसीबी में अपनों को फिट करने की परंपरा पर भी सवाल उठाए और कहा कि पिछले एक दशक से पाकिस्तान क्रिकेट का 'अपनों का राज' बना हुआ है। हर बार बोर्ड बदलता है, मगर हालात वैसे के वैसे ही रहते हैं। राणा सनाउल्लाह के बयान से साफ है कि अब पीसीबी को संसद और कैबिनेट के कठघरे में खड़ा करने की तैयारी हो रही है। सवाल ये है कि पाकिस्तान क्रिकेट की बदहाली वाकई सुधारने की कोशिश होगी।

आईईसी ने बुजुर्ग देखभाल रोबोट के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानक जारी किया

बीजिंग, एजेंसी। हाल ही में, अंतर्राष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल आयोग (आईईसी) ने आधिकारिक तौर पर बुजुर्ग देखभाल रोबोट के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानक जारी किया, जिसका नेतृत्व चीन ने किया। यह मानक वैश्विक बुजुर्ग देखभाल रोबोट उद्योग के स्वस्थ विकास का नेतृत्व करेगा।

गुरुवार को चीनी राज्य बाजार विनियमन प्रशासन से यह जानकारी मिली। जानकारी के अनुसार, यह मानक दैनिक जीवन और स्वास्थ्य देखभाल जैसे विभिन्न पहलुओं में बुजुर्गों की जरूरतों और विशेषताओं पर ध्यान केंद्रित करता है और बुजुर्ग देखभाल रोबोटों के लिए स्वास्थ्य स्थिति और आपातकालीन निगरानी सेवाएं भी प्रदान करता है। इस मानक के जारी होने और कार्यान्वयन से बुजुर्ग देखभाल रोबोट के निर्माताओं को बुजुर्गों की शारीरिक और मनोवैज्ञानिक विशेषताओं और जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करने, बुजुर्ग देखभाल रोबोट उत्पादों को डिजाइन और विकसित करने और उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए मार्गदर्शन मिलेगा, जिससे बुजुर्गों की देखभाल करने वाले रोबोट उद्योग के लिए आगे बढ़कर एक नया रास्ता तैयार किया जाएगा।

दक्षिण कोरिया में बीते एक दशक में पहली बार बढ़ी जन्म दर, गंभीर जनसांख्यिकी संकट से गुजर रहा देश

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया, जो दुनिया के सबसे गंभीर जनसांख्यिकी संकट से जूझ रहा है, उसके लिए एक राहत की खबर आई है। दरअसल बीते साल दक्षिण कोरिया में बीते करीब एक दशक में पहली बार जन्म दर में बढ़ोतरी हुई है। दक्षिण कोरिया की सांख्यिकी एजेंसी ने बताया है कि साल 2024 में दक्षिण कोरिया में 2,38,300 बच्चों का जन्म हुआ। यह साल 2023 के मुकाबले 8,300 ज्यादा है। एजेंसी के अनुसार, साल 2015 से लेकर अब तक यानी बीते नौ साल में पहली बार जन्म दर में बढ़ोतरी है।

विशेषज्ञों ने जन्मदर बढ़ने की ये वजह बताई : रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया की जन्म दर साल 2023 में 0.72 थी, जो साल 2024 में बढ़कर 0.75 हो गई है। दक्षिण कोरियाई विशेषज्ञों का कहना है कि ये देखने वाली बात होगी कि जन्म दर में बढ़ोतरी क्या सिर्फ अस्थायी है या फिर ये अगले साल भी जारी रहती है। दक्षिण कोरिया की सांख्यिकी एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी पार्क ह्युन जुंग का कहना है कि कोरोना महामारी के दौरान कम शादियां हुईं, जो बीते दिनों हुईं। इनकी वजह से ही साल 2024 में जन्म दर बढ़ी हो सकती है। विशेषज्ञों ने ये भी कहा कि 30 साल के नौजवानों की संख्या बढ़ी है और साथ ही बच्चे पैदा करने की इच्छा रखने वाले युवाओं की संख्या में भी थोड़ा इजाफा हुआ है।

दक्षिण कोरिया में बच्चे पैदा करने से कतरा रहा युवा वर्ग : दक्षिण कोरिया में

औसतन जन्म दर एक प्रतिशत से भी नीचे आ गई है, जिससे जनसांख्यिकी का गंभीर संकट पैदा हो गया है। इससे दक्षिण कोरिया की अर्थव्यवस्था के लिए भी संकट बढ़ गया है। इससे दक्षिण कोरिया में श्रमिकों की संख्या में कमी देखी जा रही है और साथ ही कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च भी बढ़ रहा है। जनसंख्या में गिरावट की समस्या से जूझने के लिए दक्षिण कोरियाई सरकार कई कदम उठा रही है, जिसमें लोगों को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। हालांकि दक्षिण कोरिया में बढ़ती महंगाई, घर और सामाजिक सुरक्षा की बढ़ती लागत के चलते युवा वर्ग बच्चे पैदा करने से गुरेज कर रहा है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत की आग बुझने के बाद भी व्यापारियों की परेशानी बरकरार लगातार

बड़ी दुर्घटना के चौथे दिन भी व्यापारी मार्केट के बाहर एकत्रित हुए और प्रशासन से ठोस समाधान की मांग

पाटिल बोले – 'कुछ साल पहले पीएम मोदी की जताई गई चिंता सही साबित हुई'

सूरत की शिवशक्ति टेक्सटाइल मार्केट में आग का चौथा दिन व्यापारी अब भी अनिश्चितता में, प्रशासन की जांच जारी सूरत की शिवशक्ति टेक्सटाइल मार्केट में लगी आग को आज चौथा दिन हो गया है। लेकिन व्यापारियों के मन में उठ रहे सवालों के जवाब अब भी अधूरे हैं।

-शनिवार सुबह मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

-मार्केट के बाहर सुबह से ही सामान्य रूप से ट्रैफिक देखा गया।

-पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को पहले की तरह बनाए रखा।

सूरत के रघुवीर टेक्सटाइल मार्केट में भीषण आग बुझ जाने के बावजूद व्यापारियों की समस्याएं अभी भी खत्म नहीं हुई हैं।

व्यापारियों की परेशानियां और प्रशासन से नाराजगी

- व्यापारियों ने शिकायत की कि आग लगने की घटनाएं बार-बार हो रही हैं, लेकिन प्रशासन कोई स्थायी समाधान नहीं निकाल रहा।

- आग के कारण भारी नुकसान हुआ, लेकिन अभी तक कोई ठोस मुआवजे या पुनर्वास की घोषणा नहीं हुई।

- व्यापारियों ने मांग की है कि फायर सेफ्टी और मार्केट के बुनियादी ढांचे को लेकर सख्त नियम लागू किए जाएं।

पाटिल का बड़ा बयान - पीएम मोदी की चिंता सही साबित हुई

बीजेपी नेता पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ साल पहले ही इस मुद्दे को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा,

''पीएम मोदी ने पहले ही कहा था कि बाजारों में फायर सेफ्टी के नियमों को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए, लेकिन आज हम देख रहे हैं कि वह चिंता सही साबित हुई है। अगर पहले से सावधानी बरती जाती तो शायद इतनी बड़ी आग नहीं लगती।''

आगे की कार्रवाई क्या होगी?

- व्यापारियों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की।

- नगर निगम और फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि वे जल्द ही बाजारों के लिए फायर सेफ्टी नियमों को कड़ा करेंगे।

- व्यापारियों और प्रशासन के बीच बातचीत जारी है, लेकिन अभी तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है।

सूरत की आग बुझने के बाद भी व्यापारियों की परेशानी बरकरार: लगातार चौथे दिन बाजार के बाहर जुटे, पाटिल बोले – 'कुछ साल पहले पीएम मोदी की जताई गई चिंता सही साबित हुई'

व्यापारियों की परेशानियां और प्रशासन से नाराजगी

- व्यापारियों ने शिकायत की कि आग लगने की घटनाएं बार-बार हो रही हैं, लेकिन प्रशासन कोई स्थायी समाधान नहीं निकाल रहा।

- आग के कारण भारी नुकसान हुआ, लेकिन अभी तक कोई ठोस मुआवजे या पुनर्वास की घोषणा नहीं हुई।

- व्यापारियों ने मांग की है कि फायर सेफ्टी और मार्केट के बुनियादी ढांचे को लेकर सख्त नियम लागू किए जाएं।

पाटिल का बड़ा बयान - पीएम मोदी की चिंता सही साबित हुई

बीजेपी नेता पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ साल पहले ही इस मुद्दे को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा,''पीएम मोदी ने पहले ही कहा था कि बाजारों में फायर सेफ्टी के नियमों को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए, लेकिन आज हम देख रहे हैं कि वह चिंता सही साबित हुई है। अगर पहले से सावधानी बरती जाती तो शायद इतनी बड़ी आग नहीं लगती।''

आगे की कार्रवाई क्या होगी?

- व्यापारियों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की।

- नगर निगम और फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि वे जल्द ही बाजारों के लिए फायर सेफ्टी नियमों को कड़ा करेंगे।

- व्यापारियों और प्रशासन के बीच बातचीत जारी है, लेकिन अभी तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है।

आग फिर न भड़के, इसलिए फायर टीम स्टैंडबाय पर

शिवशक्ति टेक्सटाइल मार्केट में 25 फरवरी को लगी आग पर काबू पा लिया गया था, लेकिन 26 फरवरी को आग दोबारा भड़क उठी, जिससे और अधिक नुकसान हुआ। इस तरह की स्थिति फिर न बने,इसलिए फायर ब्रिगेड की एक टीम मार्केट के बाहर स्टैंडबाय पर तैनात है।

सुबह 9 बजे से व्यापारी एकत्र होने लगे

-सुबह 9 बजे के बाद से व्यापारी एक-एक कर अभिषेक मार्केट के कंपाउंड और अन्य स्थानों पर जमा होने लगे।

-वे अपनी दुकानों में हुए नुकसान का जायजा लेना चाहते थे।

-हालांकि, पुलिस ने किसी भी व्यापारी को मार्केट के अंदर जाने से रोक दिया।

व्यापारी अब भी अपने नुकसान को लेकर चिंतित हैं और सरकार से मदद की उम्मीद कर रहे हैं।

दोपहर बाद सी.आर. पाटिल और हर्ष संघवी पहुंचे बाजार

शाम 4 बजे केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी शिवशक्ति टेक्सटाइल मार्केट पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया।

सी.आर. पाटिल ने कहा:

-रिलीफ फंड से व्यापारियों के नुकसान की भरपाई संभव नहीं है।

-अगर नियमों के अनुसार पूरी इमारत को गिराकर फिर से निर्माण की अनुमति मिलती है, तो व्यापारियों को अतिरिक्त खर्च के बिना नई दुकानें मिल सकती हैं।

-उन्होंने याद दिलाया कि कुछ साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिंता जताई थी कि अगर गलियों में स्थित बाजारों में आग लगती है, तो क्या होगा? आज वही चिंता सच साबित हो गई।

व्यापारियों को तत्काल कोई वित्तीय सहायता देने का वादा नहीं किया गया। लेकिन सरकार की योजनाओं के तहत जो भी संभव होगा, वह देने की कोशिश की जाएगी।

सेंट्रल जोन और लिंबायत जोन के अधिकारी रिपोर्ट तैयार करेंगे

सूरत नगर निगम के आयुक्त ने आदेश दिया है कि शिवशक्ति मार्केट, जो लिंबायत जोन में आता है, उसकी पूरी जांच की जिम्मेदारी सिर्फ लिंबायत जोन को न दी जाए। इसके बजाय, सेंट्रल जोन को भी जांच में शामिल किया जाएगा।

संयुक्त रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसमें शामिल होंगे:

- बिल्डिंग के स्ट्रक्चर की जांच।

-शिवशक्ति मार्केट की छत पर अवैध रूप से बने शेड की संख्या की गणना।

-स्वीकृत प्लान के अनुसार, कितने क्षेत्र में अवैध निर्माण हुआ, इसकी जांच।

-सबसे पहले स्नस्रु (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) की रिपोर्ट तैयार होगी, जिससे आग लगने का सही कारण पता चले।

अवैध निर्माण पर कार्रवाई:

-अगर अवैध निर्माण सामने आता है, तो उसके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

-सूत्रों के अनुसार, बेसमेंट में किए गए कुछ निर्माणों को 'इम्पैक्ट फीस' भरकर नियमित कर दिया गया था।

सूरत में आवारा कुत्तों के कारण एक युवक ने अपनी जान गंवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पाल इलाके में आवारा कुत्तों के कारण एक युवक ने अपनी जान गंवा दी। पाल उगत रोड पर युवक बाइक से जा रहा था, तभी अचानक एक कुत्ता बाइक के पीछे दौड़ पड़ा। युवक ने संतुलन खो दिया और सड़क पर गिर गया, जिससे सिर में गंभीर चोटें आने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

बाइक से संतुलन खोने के बाद सड़क पर गिरकर मौत

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के पाल उगत रोड पर बीती रात एक युवक बाइक से जा रहा था, तभी अचानक पीछे से एक कुत्ता दौड़ने लगा। युवक घबरा गया और बाइक का संतुलन खो बैठा, जिससे वह नीचे गिर गया। गिरने के कारण सिर में गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस हादसे के बाद परिवार शोक में डूब गया है और नगर निगम की लापरवाही पर आक्रोश व्यक्त कर रहा है।

नगर निगम की लापरवाही ने बच्चों से पिता का साया छीना

मृतक के भाई तुषारभाई परमार ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाला युवक घनश्याम शामजीभाई परमार था। बीती रात वह ऑफिस के काम से जा रहा था। यह घटना पाल इलाके के उगत नहर के पास रात करीब 12:30 बजे हुई। जब वह लौट रहा था, तब अचानक एक कुत्ता पीछे दौड़ा, जिससे वह घबरा गया। संतुलन बनाए रखने की कोशिश में उसने बाइक पर पैर ऊपर उठाने की कोशिश की, लेकिन नियंत्रण खो बैठा और सड़क पर गिर गया। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

मृतक के परिवार में 6 साल की एक बेटी है, और उसकी पत्नी 6 महीने की गर्भवती है। परिवार ने नगर निगम की लापरवाही और ढीले प्रशासन को इस हादसे के लिए जिम्मेदार ठहराया है, जिससे छोटे बच्चों ने अपने पिता का साया खो दिया।

विशाल श्री श्याम भजन संध्या एवं निशान यात्रा का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,फाल्गुन माह के उपलक्ष्य में स्प्रिंग वैली परिवार द्वारा विशाल श्री श्याम भजन संध्या का आयोजन किया गया। परिवार के योगेश झाखलिया ने बताया की इस मौके पर बाबा श्याम का भव्य दरबार न्यूसिटी लाइट स्थित स्प्रिंग वैली अपार्टमेंट में सजाया गया। शृंगारित दरबार के समक्ष शाम सवा छ: बजे से अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई। इसके बाद आयोजित भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकार संजय अग्रवाल एवं अमित शेरेवाला ने भजनों की प्रस्तुति दी। आयोजन में विशाल निशान यात्रा का आयोजन भी किया गया। सभी भक्त हाथों में बाबा की निशान थामे बाबा का गुणगान करते हुए वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर पहुंचे एवं बाबा को निशान अर्पण किए। आयोजन में भव्य आतिशबाजी, ड्रोन द्वारा पुष्प वर्षा आदि आकर्षण का केंद्र बने।

सूरत की शिवशक्ति टेक्सटाइल मार्केट में लगी आग में युवक की दर्दनाक मौत

सूरत के रिंग रोड स्थित शिवशक्ति टेक्सटाइल मार्केट में लगी आग पर दो दिनों बाद काबू पाया गया। इस आग में एक युवक की मौत हो गई थी, जो दम घुटने के कारण बेहोश होकर गिर गया और जलकर राख हो गया।

पहचान के लिए परिजनों को करना पड़ा इंतजार

- शव पूरी तरह जल चुका था, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल था।

- आग दोबारा भड़कने के कारण किसी को भी पता नहीं चला कि मृत युवक कौन था।

- बाद में उसकी जेब में मिली आरसी बुक और उसकी बेटी ने पीले पैंट के आधार पर उसकी पहचान की।

- परिवार 24 घंटे बाद सूरत पहुंचा और शव को राजस्थान ले जाकर अंतिम संस्कार किया।

युवक 10 दिन पहले ही मार्केट में नौकरी पर लगा था

- मृतक की पहचान महेंद्र घेवरचंद जैन (47 वर्ष) के रूप में हुई।

- वह राजस्थान के जालोर जिले का रहने वाला था और फिलहाल सूरत के गोपीपुरा में रहता था।

- महेंद्र की दो बेटियां, एक बेटा और पत्नी हैं।

- वह 10 दिन पहले ही इस मार्केट में नौकरी पर जुड़ा था।

कैसे हुआ हादसा?

-25 फरवरी को दोपहर में मार्केट में आग लगी थी, जिसमें महेंद्र की मौत हो गई।

-आग लगने के बाद वह भागकर बाहर आ गया था।

-लेकिन मोबाइल लेने के लिए वापस अंदर गया और वहीं आग में फंस गया।

-वह परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था।

टेक्सटाइल और डायमंड सिटी के बाद अब सूरत बना "ऑर्गन डोनर सिटी"

गुजरात में पहली बार हाथ का ट्रांसप्लांट

सूरत में 28 वर्षीय ब्रेन डेड युवक के हाथों से गोवा की 25 वर्षीय युवती को नया जीवन मिला, किडनी और आंखों का भी दान किया गया।

गुजरात में पहली बार हाथ का प्रत्यारोपण किया गया है। सूरत के एक 28 वर्षीय ब्रेन डेड युवक के हाथों को गोवा की 25 वर्षीय युवती को ट्रांसप्लांट किया गया, जिससे उसे नया जीवन मिला। इसके अलावा, युवक की किडनी और आंखों का भी दान किया गया, जिससे अन्य जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान मिला।

यह ऐतिहासिक ट्रांसप्लांट राज्य में अंगदान और ट्रांसप्लांटेशन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

टेक्सटाइल और डायमंड सिटी के रूप में पहचाना जाने वाला सूरत अब देश में च्ऑर्गन डोनर सिटीज् के रूप में भी प्रसिद्ध हो रहा है। श्रंगी ब्राह्मण समाज के 28 वर्षीय ब्रेन डेड नरेंद्र प्रेमबिहारी श्रंगी के परिवार ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए हाथ, किडनी और आंखों का दान किया। डोनेट लाइफ संस्था के माध्यम से किए गए इस दान ने 5 लोगों को नया जीवन दिया और समाज को एक नई दिशा दिखाई। गुजरात में पहली बार हाथ का प्रत्यारोपण सूरत की किरण अस्पताल में किया गया। इस ट्रांसप्लांट में गोवा की 25 वर्षीय युवती को नरेंद्र के हाथ लगाए गए। सूरत में डोनेट लाइफ संस्था द्वारा यह छठा हाथ दान किया गया है।

बीमारी के कारण नरेंद्र को अस्पताल में भर्ती कराया गया था

सिलवासा के वड़पाड़ा में अपने परिवार के साथ रहने वाले और प्राइवेट वाहन चलाकर परिवार का भरण-पोषण करने वाले 28 वर्षीय नरेंद्र प्रेमबिहारी श्रंगी को 9 जनवरी को दाहिने पैर और हाथ में कमजोरी महसूस हुई जिसके बाद उन्हें सूरत की किरण अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जांच के दौरान CT स्कैन और MRI से पता चला कि उनके मस्तिष्क में सूजन और रक्तस्राव (हेमरेज) हुआ था। इसके बाद मस्तिष्क की एंजियोग्राफी (DSA) और केमिकल प्लास्टी की गई।16 जनवरी को नरेंद्र को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया था।

28 फरवरी को डॉक्टरों ने नरेंद्र को ब्रेन डेड घोषित किया

22 फरवरी को नरेंद्र चेकअप के लिए किरण अस्पताल आया था। अस्पताल में उसे भूख लगी, तो वह कैंटीन में नाश्ता करने गया, लेकिन नाश्ता करते समय वह अचानक बेहोश हो गया। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया। CT स्कैन की रिपोर्ट में पता चला कि उसके मस्तिष्क की एक रक्त वाहिका फट गई थी।

न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर ने मस्तिष्क में जमा हुआ खून निकालने और दबाव कम करने के लिए उसमें नली डाली थी। लेकिन स्थिति गंभीर होने के कारण 28 फरवरी को डॉक्टरों की टीम ने नरेंद्र को ब्रेन डेड घोषित कर दिया।

परिवार को अंगदान का महत्व समझाया गया

किरण अस्पताल ने डोनेट लाइफ के संस्थापक नीलेश मांडेलेवाला से संपर्क कर नरेंद्र के ब्रेन डेड होने की जानकारी दी। डोनेट लाइफ की टीम तुरंत अस्पताल पहुंची और नरेंद्र की पत्नी रौशनी, मां गुलाबीबेन, भाई धर्मेश, बहन प्रिया, बहनोई चेतन राजाणी, ससुर राजुभाई मकवाणा, सास शांतुबेन मकवाणा, साले जिगर और भाभी सरस्वती को अंगदान की प्रक्रिया और उसके महत्व के बारे में समझाया।

नरेंद्र की पत्नी रौशनी,मां और भाई ने कहा कि ''हमारा अपना अब इस दुनिया में नहीं है, शरीर तो वैसे भी नष्ट हो जाएगा, तो क्यों न उसके जितने भी अंग दान किए जा सकते हैं, वे जरूरतमंदों को देकर किसी को नया जीवन दिया जाए?''

नरेंद्र के परिवार के बारे में जानकारी

-पत्नी रौशनी (उम्र 26 वर्ष)

- सिलवासा में ब्यूटीशियन के रूप में काम करती हैं।

-मां गुलाबीबेन (उम्र 52 वर्ष)- सिलवासा के रखोली में R.R केबल लिमिटेड में ब्रेडिंग मशीन ऑपरेटर के रूप में कार्यरत हैं।

-भाई धर्मेश (उम्र 33 वर्ष)- सिलवासा में होटल कृष्णा में रिसेप्शनिस्ट के रूप में कार्यरत हैं।

गोवा की 25 वर्षीय युवती में ब्रेन डेड युवक का हाथ ट्रांसप्लांट किया गया

परिवार द्वारा अंगदान की सहमति मिलने के बाद से संपर्क किया गया। SOTTO द्वारा दो किडनियां और हाथ सूरत की किरण अस्पताल को आवंटित किए गए।